WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 295

लखनऊ, गुरुवार, 15 अक्टूबर, 2020

पृष्ठ- 6

मूल्य - 1 रुपये

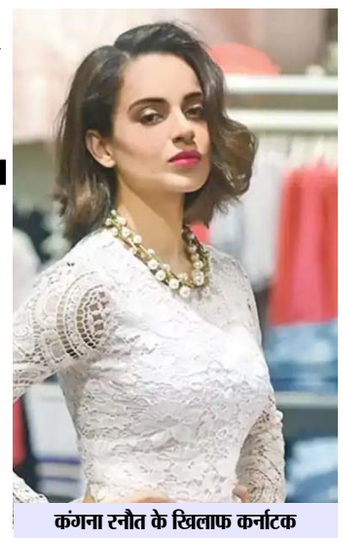

कंगना रनौत के खिलाफ कर्नाटक पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कोराना संक्रमण का आंकड़ा 72 लाख से पार, स्वस्थ होने वालों की संख्या में बढ़ोतरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 72 लाख से अधिक हो चुके हैं हालांकि नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है और अब तक 63 लाख से ज्यादा लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 74,632 कोरोना संक्रमितों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गयी। देश में अब तक 63,01,927 मरीजों ने कोरोना को मात दी है। इसी अवधि में 63,509 लोगों

के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद संक्रमण का आंकड़ा 72,39,389 हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान 730 संक्रमित अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1,10,586 हो गयी है। कोरोना संक्रमण के नये मामलों में कमी आने के कारण सक्रिय मामले 11,853 घटकर 8,26,876 हो गये। देश में अभी सक्रिय मामलों का प्रतिशत 11.42 और रोगमुक्त होने वालों की दर 87.05 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.53 फीसदी रह गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 7021 कम होकर 205884 रह गये हैं जबकि 187 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 40,701 हो गयी है।

इस दौरान 15,356 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 1297252 हो गयी। भारत में कोरोना टेस्टिंग का आंकड़ा नौ करोड़ के पार हो गया है। हर दिन 10 से 12 लाख टेस्टिंग की जा रही हैं। सबसे ज्यादा एक लाख से अधिक टेस्ट उत्तरप्रदेश और बिहार में किए जा रहे हैं। दुनिया के दूसरे देशों से तुलना करें तो सबसे ज्यादा 16 करोड़ टेस्टिंग चीन ने की है।

हैदराबाद में बारिश का कहर, 13 की मौत, कई इलाके जलमग्न

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद और उपनगरीय इलाकों के कई रिहायशी इलाकों में भारी बारिश के कारण बुधवार को जलभराव की स्थिति देखने को मिली, साथ ही भीषण बारिश के चलते हुए विभिन्न हादसों में कम से कम 13 लोगों की मौत भी हो गई। हैदराबाद में मंगलवार शाम से बारिश हो रही है। बुधवार तड़के बारिश कम हुई, लेकिन शहर और उपनगरों में दर्जनों कॉलोनियों में जल भराव रहा जबकि जल भराव और गिरे पेड़ों ने शहर के भीतर और राष्ट्रीय राजमार्गों पर विजयवाड़ा और बेंगलुरु तक वाहनों की आवाजाही को प्रभावित किया। एक सदी में सबसे अधिक बारिश ने शहर और बाहरी इलाकों में जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। सैकड़ों कॉलोनियां

अंधेरे में डूब गई।बाढ़ वाले इलाकों में लोगों की रात बैचेनी भरी गुजरी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान में और अधिक बारिश होने की आशंका जताई है, जबकि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के आयुक्त लोकेश कुमार ने लोगों से घर के अंदर ही बने रहने की अपील की है। आपदा सेवा बल (डीआरएफ) अग्निशमन सेवा के कर्मियों और पुलिस की मदद से बाढ़ में फंसे लोगों के बचाव में मदद कर रहा है।

मुफ्ती से मिलने बेटे उमर के साथ फारूक मुफ्ती बोलीं- मिलकर बदलाव लाएंगे

जम्मू, एजेंसी। पीडीपी चीफ और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की रिहाई के एक दिन बाद बुधवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के दो बड़े नेता उनसे मुलाकात करने पहुंचे। एनसी चीफ फारुक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर ने महबूबा से मुलाकात की और इसकी तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट की। उमर ने ट्वीट किया कि मैं और मेरे पिता रिहाई के बाद महबूबा मुफ्ती का हाल-चाल जानने पहुंचे थे। उमर के इस ट्वीट पर महबूबा ने भी रिप्लाई किया है। उन्होंने लिखा- आप और फारुक साहब मुझसे मिलने आए, इससे मुझे बड़ी खुशी मिली। उन्हें (फारूक) को सुनकर हौसला मिलता है। मुझे यकीन है कि हम मिलकर अच्छा बदलाव लाएंगे। उमर ने बताया कि महबूबा मुफ्ती गुरुवार को होने वाली बैठक में भी शामिल होंगी। इसमें गुपकर डिक्लेरेशन पर दस्तखत करने वाले नेता भी मौजूद रहेंगे। जम्मू-कश्मीर के 5 दलों पीडीपी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, माकपा, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और जम्मू-कश्मीर अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने गुपकर डिक्लेरेशन पर पिछले साल दस्तखत किए थे। इसमें जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिलाने के लिए लड़ाई लड़ने का फैसला किया गया था। महबूबा मुफ्ती को मंगलवार शाम को हिरासत से रिहा किया गया। महबूबा को पिछले साल अगस्त में कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने पर हिरासत में लिया गया था। महबूबा एक साल, दो महीने और 9 दिन बाद हिरासत से रिहा हुई हैं यानी कुल 436 दिन बाद। रिहाई के बाद महबूबा ने 1.23 मिनट का ऑडियो जारी किया था। उन्होंने कहा था- मैं आज एक साल से ज्यादा अर्से के बाद रिहा हुई हूं। इस दौरान 5 अगस्त 2019 के काले दिन का काला फैसला हर पल मेरे दिल और रूह पर वार करता रहा। मुझे अहसास है कि यही कैफियत जम्मू-कश्मीर के तमाम लोगों की रही होगी।

जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए 520 करोड रुपए का विशेष पैकेज

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर और लद्दाख में ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 520 करोड़ रुपए का एक विशेष पैकेज देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों क्षेत्रों को यह विशेष पैकेज दीन दयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीवका मिशन के तहत दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पैकेज से 10 लाख 58 हजार परिवारों को लाभ होगा। पैकेज की अवधि में पांच वर्ष की होगा।

हाथरस मामला

सीबीआई ने पीड़िता के पिता और भाइयों से की 7 घंटे तक पूछताछ

हाथरस, एजेंसी। हाथरस कांड की जांच कर रही सीबीआई ने लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी पीड़िता के परिवार के सदस्यों से मैराथन पूछताछ की। पीड़िता के पिता और दोनों भाइयों से जांच दल ने कैंप कार्यालय में लगभग सात घंटे तक सवाल किए। सूत्रों के अनुसार पहले तीनों से अलग-अलग बाद में सभी का आमना-सामना कराया गया। इस दौरान कैंप कार्यालय के बाहर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए। बुधवार दोपहर एसडीएम अंजली गंगवार सीबीआई टीम के साथ बूलगढ़ी गांव में पहुंची। टीम पीड़िता के पिता व दोनों भाइयों को सीबीआई के जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में बनाये गये कैंप कार्यालय पर ले आई। दोपहर लगभग 12 बजे पूछताछ का सिलसिला प्रांरभ हुआ। सूत्रों

के अनुसार पहले तीनों से अलग-अलग सवाल पूछे गए। तीनों के लिए सवालों की लिस्ट पहले से ही टीम ने तैयार कर रखी थी। इसके बाद तीनों से पूछताछ के आधार पर सभी का एक साथ बैठाया गया। इस दौरान तीनों से सवाल-जवाब किए गए। इस मैराथन पूछताछ की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी कराई जा रही है। बताया जाता है कि टीम ने तीनों की लोकेशन, सबसे पहले सूचना कैसे मिली। सबसे पहले क्या किया। खेत से जिला अस्पताल और वहां से एएमयू ट्रामा सेंटर ले जाने का पूरी जानकारी तीनों से ली।

भाजपा कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग के लिए लगेंगे प्रशिक्षण वर्ग

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के कार्यकाल में भी अब पार्टी कार्यकर्ताओं की ट्रेनिंग होने जा रही है। इसके लिए प्रदेशों में दो दिनों का प्रशिक्षण वर्ग लगेगा। पार्टी के नियम-कायदों और संस्कारों की कार्यकर्ताओं को सीख दी जाएगी। नड्डा ने बुधवार को अखिल भारतीय मंडल प्रशिक्षण शिविर योजना विषय प्रमुखों की राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष ने उद्घाटन समारोह में बोलते हुए कहा कि प्रशिक्षण एक यज्ञ है। पिछली बार आठ लाख से ज्यादा कार्यकर्ता प्रशिक्षण में भाग ले चुके हैं। समर्पण के कारण ही आठ लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जाना संभव हुआ। उन्होंने कहा कि अब राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल में प्रशिक्षण अभियान शुरू हुआ है। आज अधिकतर प्रादेशिक कार्यशालाओं का उद्घाटन नड्डा करेंगे। बीएल संतोष ने कोरोना काल में शुरू हुए प्रशिक्षण अभियान में बेहद सावधानी बरतने की पार्टी पदाधिकारियों से अपील की।

महाराष्ट्र अनलॉक 5 में भी नहीं खुलेंगे धार्मिक स्थल

मेट्रो और लाइब्रेरी पर पाबंदी हटी

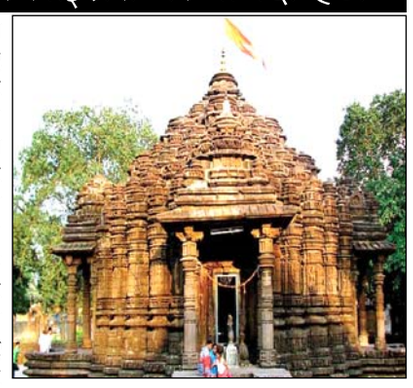

मुंबई, एजेंसी। कोरोना संकट के बीच महाराष्ट्र सरकार ने आज बुधवार को अनलॉक 5 के तहत मेट्रो रेल का परिचालन 15 अक्टूबर से किये जाने की अनुमति दी। इसके साथ ही सार्वजनिक पुस्तकालयों को भी फिर से खोले जाने की इजाजत दी गई। महाराष्ट्र में अनलॉक को लेकर जारी किए गए गाइडलाइन में मंदिरों, थिएटर्स और धार्मिक स्थलों पर लगी पाबंदियों पर कोई ढील नहीं दी गई है। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों पर भी पाबंदी लगी हुई है और अनलॉक के नए गाइडलाइन में भी इसके फिर से खोलने पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। हालांकि अध्यापक 50 फीसदी क्षमता के साथ स्कूल अटैंड कर सकेंगे। कोरोना के बढ़ते मामले और अमेरिका में स्कूल खोलने के बाद बढ़ी संक्रमण की रफ्तार को देखते हुए ज्यादातर राज्य फिलहाल यह जोखिम मोल लेना नहीं चाहते।

कोविड-19 के मामलों में प्रदेश का रिकवरी रेट 90 प्रतिशत से अधिक हुआः मुख्यमंत्री

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड-19 के मामलों में प्रदेश का रिकवरी रेट 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है। उन्होंने कोविड-19 से बचाव और उपचार के प्रबन्धों को प्रभावी ढंग से लागू रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जनपद लखनऊ, वाराणसी, मेरठ व मथुरा के जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से नियमित संवाद स्थापित करते हुए कोविड-19 के नियंत्रण के सम्बन्ध में उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि कोविड-19 को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अधिक से अधिक कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की जाए। इसके लिए सर्विलांस

टीम पूरी सक्रियता से कार्य करे। उन्होंने एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 तथा आर0एम0एल0आई0एम0एस0 में आई0सी0यू0 के बेड्स की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक कोरोना का वैक्सीन नहीं आता, तब तक कोई ढिलाई न बरती जाए। इस मूल मंत्र के तहत ही भविष्य में भी कोरोना से जंग जारी रहेगी। कोरोना मरीजों की सुविधा के लिए एम्बुलेंस सेवा सक्रियता से कार्य करे। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर, 2020 को वर्ल्ड हैण्ड वॉश डे है। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन की कार्यवाही में पुलिस मास्क, ग्लव्स व सेनिटाइजर का प्रयोग अवश्य करे, ताकि संक्रमण से बचाव हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल्य समर्थन योजना (एम0एस0पी0) के तहत स्थापित किए गए धान क्रय केन्द्रों को पूरी सक्रियता से संचालित करते हुए किसानों की अधिक से अधिक उपज की खरीद की जाए। किसानों को सभी सहूलियतें उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि धान बेचने वाले सभी किसानों के खाते में 72 घण्टे के अन्दर भुगतान की धनराशि अन्तरित कर दी जाए। उन्होंने कहा कि सब्जी व दालों के दाम को नियंत्रित करने के लिए सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में प्रभावी कार्यवाही करें। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार के लिए स्टार्स प्रोजेक्ट को मंत्रिमंडल की मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने नयी शिक्षा नीति के तहत शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधारों के लिए विश्व बैंक की सहायता से छह राज्यों में चलाये जाने वाले स्टार्स प्रोजेक्ट को आज मंजूरी दे दी। इस प्रोजेक्ट पर 5718 करोड रूपये की लागत आने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज यहां हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि विश्व बैंक इसके लिए 3700 करोड़ रूपये की सहायता राशि देगा। स्टार्स परियोजना यानी 'स्ट्रेंगथनिंग टीचिंग-लर्निंग एंड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित योजना के रूप में लागू की जाएगी। इस परियोजना में 6 राज्यों हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, केरल और ओडिशा शामिल हैं। इन राज्यों को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के विभिन्न उपायों के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। इस परियोजना के अतिरिक्त 5 राज्यों गुजरात, तमिलनाडु, उत्तराखंड, झारखंड और असम में इसी प्रकार की वित्त पोषित परियोजना लागू करने की भी कल्पना की गई है। सभी राज्य अपने अनुभव और श्रेष्ठ प्रक्रियाएं साझा करने के लिए एक दूसरे राज्य के साथ भागीदारी करेंगे। स्टार्स परियोजना के तहत बेहतर श्रम बाजार परिणामों के लिए बेहतर शिक्षा परिणामों और स्कूलों द्वारा पारगमन रणनीतियों के साथ काम करने के लिए प्रत्यक्ष जुड़ाव के साथ उपायों को विकसित करने, लागू करने, आकलन करने और सुधार करने में राज्यों का सहयोग किया जायेगा। स्टार्स परियोजना का फोकस गुणवत्ता आधारित शिक्षण परिणामों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप है1 इस परियोजना में चुनिंदा राज्यों में हस्तक्षेपों के माध्यम से स्कूली शिक्षा प्रणाली में समग्र निगरानी और अन्य गतिविधियों में सुधार लाने की व्यवस्था की गई है।

नीतीश कुमार ने राजद पर किया परोक्ष प्रहार, बोले-काम के आधार पर दें वोट

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के लोगों से कहा कि चुनाव में काम के आधार पर वोट करें वरना प्रदेश की स्थिति वैसी ही हो जायेगी, जैसे आज से 15 साल पहले थी। कुमार ने बांका जिले के अमरपुर में एक चुनावी रैली में विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल पर परोक्ष प्रहार करते हुए कहा, ''काम को देखिए और किसी के प्रचार के चक्कर में नहीं आइएगा। वरना उनकी आमदनी बढ़ जाएगी तो आपकी घट जाएगी।'' अपने सरकार के कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, ''हमारी कोशिश होती है कि हम सबके कल्याण के लिए काम करें। लोगों की सेवा करना हमारा धर्म है, आगे मौका मिला तो आगे भी सेवा करते रहेंगे।'' राजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के लिए परिवार है, पति-पत्नी और बेटा-बेटी, जबकि हमारे लिए समस्त बिहार परिवार है और हम समस्त बिहार के विकास के लिए करते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किये गए कार्यों पर ध्यान देकर ही जनता अपना निर्णय लें व अपना मतदान करें। कुमार ने दावा किया कि हमने न्याय के साथ विकास के लिये काम किया है और हर वर्ग का विकास और हर तबके का उत्थान तथा हाशिये पर खड़े लोगों को मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है।उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं को आरक्षण देने का काम किया है, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है और हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ती हुई दिख रही हैं। युवाओं के लिये कार्यो का उल्लेख करते हुए कुमार ने कहा कि सरकार ने कुशल युवा कार्यक्रम की शुरुआत की गई ताकि युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा सके और उनके रोजगार की राह आसान हो।

कोयला घोटाला मामले में सीबीआई ने विशेष अदालत से की अपील, कहा- पूर्व मंत्री दिलीप रे को दी जाए उम्र कैद की सजा

नयी दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने दिल्ली की विशेष अदालत से बुधवार को अनुरोध किया कि झारखंड में 1999 में कोयला खदान आबंटन में अनियमित्ताओं के लिये दोषी ठहराये गये पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिलीप रे को उम्र कैद की सजा दी जाये। विशेष न्यायाधीश भरत पराशर ने सीबीआई और दोषियों की ओरसे सजा के बारे में बहस सुनने के बाद कहा कि इस पर 26 अक्टूबर को आदेश सुनाया जायेगा। सीबीआई ने विशेष अदालत से अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री रहे दिलीप रे के साथ ही कोयला मंत्रालय में उस समय वरिष्ठ अधिकारी प्रदीप कुमार बनर्जी और नित्य नंद गौतम तथा कैस्ट्रॉन टेक्नॉलॉजी लि के निदेशक महेन्द्र कुमार अग्रवाल को भी उम्र कैद की सजा देने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, अभियोजन ने इस मामले मे दोषी ठहराई गई सीएलटी और कैस्ट्रॉन टेक्नॉलॉजी लि पर अधिकतम जुर्माना लगाने का भी अनुरोध किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुयी बहस में जांच ब्यूरो की ओर से लोक अभियोजक वी के शर्मा और ए पी सिंह ने अदालत से कहा कि इस समय सफेदपोश अपराध बढ़ रहा है और ऐसी स्थिति में समाज में संदेश देने के लिये दोषियों को अधिकतम सजा देने की जरूरत है।कोयला खदान आबंटन के अपराध के लिये दोषसिद्धि का यह पहला मामला है जिसमे अधिकतम सजा उम्र कैद है। दिलीप रे को भारतीय दंड संहिता की धारा 409 (लोकसेवक द्वारा विश्वाघात) सहित विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया है। दोषी व्यक्तियों ने अदालत से उनकी वृद्धावस्था और पहले कभी किसी मामले में दोषी नहीं ठहराये जाने जैसे तथ्य को ध्यान में रखते हुये नरमी बरतने का अनुरोध किया। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि इस पर 26 अक्टूबर को आदेश सुनाया जायेगा। अदालत ने सभी दोषियों को उस दिनहाजिररहने का निर्देश दिया है।

अमरिंदर सरकार का बड़ा फैसला

सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण

चंडीगढ़, एजेंसी। महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार पंजाब की सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया है। राज्य कैबिनेट ने बुधवार को पंजाब सिविल सर्विसेज (रिजर्वेशन ऑफ पोस्ट्स फॉर वीमन) रूल्स 2020 को मंजूरी दी है, जिससे सरकारी नौकरियों के साथ बोर्ड्स और कॉरपोरेशन के ए, बी, सी और डी ग्रुप की पोस्ट महिलाओं को आरक्षण दिया जा सके। समयबद्ध तरीके से कोर्ट मामलों/कानूनी केसों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए, पंजाब कैबिनेट ने पंजाब सिविल सचिवालय (राज्य सेवा वर्ग- III) नियम, 1976 में संशोधन करके क्लर्क (कानूनी) कैडर

के गठन के लिए सफलतापूर्वक भर्ती की भी मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही, केन्द्र के कृषि कानूनों को काउंटर करने के लिए पंजाब सरकार 19 अक्टूबर को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर एक कानून लाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की अध्यक्षता में बुलाई गई राज्य कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। सरकार की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, यह बैठक एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई। मुख्यमंत्री ने इससे पहले यह ऐलान किया था कि उनकी सरकार संघीय विरोधी कृषि कानूनों के खिलाफ विधायी, कानूनी और अन्य रास्तों के जरिए लड़ेगी।

भाजपा सरकार किसानों, नौजवानों के प्रति दमनकारी नीतियों पर उतर आईः अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार किसानों, नौजवानों के प्रति दमनकारी नीतियों पर उतर आई है। गरीबों, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के प्रति उसका रवैया असंवेदनशील है। सत्ता के अहंकार में वह जनता का उत्पीड़न करने लगी है, इससे वह अलोकप्रियता के साथ लोगों के आक्रोश का भी शिकार हो रही है। किसानों के हाथ में कटोरा देकर भाजपा सरकार ने अयोध्या में पुण्यकार्य के नाम पर जमीन हड़प ली। अयोध्या में एयरपोर्ट के लिए गरीब किसानों को भूमि का पर्याप्त मुआवजा भी नहीं दिया जा रहा है। अधिग्रहीत जमीन के बदले सर्किल रेट बढ़ाकर 6 गुना मुआवजा सरकार को देना चाहिए पर वह अपनी हठधर्मी पर टिकी है। महिलाओं को अंततः कटोरा चम्मच लेकर प्रदर्शन करने को विवश होना पड़ा। सरकार गरीब की आह का मजाक न बनाए। उत्तर प्रदेश की बेटियों पर सत्ताधीशों या उनके संरक्षितों का जुल्म थमने का नाम नहीं ले रहा है। मवाना भाजपा नगर अध्यक्ष की शर्मनाक करतूत सामने आई है। उसके द्वारा महिला का अश्लील वीडियो बनाकर दुष्कर्म का प्रयास अत्यंत शर्मनाक है। झांसी में शहर के बीच 10-15 दरिंदों ने छात्रा से गैंगरेप की हैवानियत भरी वारदात को अंजाम दिया। गोण्डा में दलित बहनों पर एसिड हमले की अमानवीय घटना घटी। गोरखपुर में एक किशोरी की हत्या हुई और प्रतापगढ़ में छेड़खानी से तंग किशोरी ने कुंए में कूद कर अपनी जान दे दी। आगरा में लड़की के साथ रेप का मुकदमा देर से दर्ज किया गया। हापुड़ में छेड़छाड़ के विरोध में युवती की हत्या हुई। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार महिलाओं से सम्बन्धित अपराधों में यह बहाना बनाती है कि यह आपसी सम्बंधों या रिश्तेदारी का मामला है अपराधियों का नहीं। समाजवादी पार्टी के समय की कारगर 1090 और यूपी डायल 100 नम्बर सेवाओं को निष्प्रभावी बनाकर भाजपा राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में जनहित का हनन कर रही है। लगता है हाथरस और दूसरी घटनाओं से भी पुलिस ने कोई सबक नहीं लिया। दरिंदों को नहीं है पुलिस का खौफ मानों पुलिस का खौफ उत्तर प्रदेश से खत्म हो गया है।

तेजाब पीड़िता दलित बच्चियों को सपा ने एक लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्वमंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फपण्डित सिंह ने पार्टी के नेताओं के साथ गोण्डा जिला चिकित्सालय में भर्ती तेजाब पीड़ित दलित बच्चियों का हालचाल जाना और राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की तरफसे उनके पिता घुरई प्रसाद को चिकित्सा हेतु एक लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। जिससे वे बुरी तरह झुलस गई। पूर्व मंत्री विनोद कुमार सिंह उर्फपण्डित सिंह तथा पूर्व मंत्री श्री योगेश प्रताप सिंह के साथ पप्पू यादव जिलाध्यक्ष, रजेश्वरी प्रसाद चौधरी पार्टी उपाध्यक्ष, जिला महासचिव राजेश दीक्षित, देवेन्द्र सिंह, बलराज सिंह, मंगली प्रसाद, संजय साहू, सिद्धार्थ सिंह, कुलदीप, सोमनाथ तिवारी, हरीराम आदि कई पदाधिकारी नेता तेजाब पीड़िता और उनके परिवार से मिले।

सरकार आयोगों को विशेष शक्तियां प्रदत्त करे

लखनऊ, संवाददाता। निर्बल विकास सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनीता रावत, जे0पी0 आर्या की संयुक्त विज्ञप्ति में कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग, अल्पसंख्यक आयोग एवं महिला आयोग का गठन कई वर्षों पूर्व किया गया था ताकि इन वर्गों के हितों की रक्षा हो सके। यद्यपि विदित है कि इन आयोगों को विशेष शक्तियां प्रदान नहीं हैं फिर भी संवैधानिक संस्थायें होने के कारण इनकी महत्ता को कम नहीं आंका जा सकता है। उत्तर प्रदेश का यह दुर्भाग्य है कि आये दिन अनुसूचित जाति की महिलाओं के साथ अत्याचार, अनाचार, बलात्कार की घटनायें घटित हो रही हैं। पुलिस और प्रशासन की भूमिकाओं से हम लोग विदित ही हैं। यह वह देश है जहां मुर्दा जलाते हुए भी उसकी जाति लिखी जाती है तथा सभी काम जाति देखकर ही किये जाते हैं, चाहें वह थाना हो, कचेहरी हो या सरकारी दफ्तर हो तथा उनके पक्ष में निर्णय भी जाति देखकर ही किये जाते हैं। लगभग एक वर्ष से अनुसूचित जाति, जनजाति आयोग में अध्यक्ष का पद रिक्त है।

शहर को साफसुथरा बनाने की कवायद शुरू अब डोर टू डोर कूड़ा उठाएंगे टिपर वाहन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के लोहिया चौराहे पर नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन, मेयर संयुक्ता भाटिया ने 151 टीपर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर निगम के द्वारा 220 गाड़ियां उपलब्ध कराइ गई हैं, जिसमें 151 गाड़ियों को हरी झंडी देखा कर रवाना किया गया। योगी सरकार के मंत्री आशुतोष टंडन ने शहर को साफसुथरा बनाने के लिए ये कवायद शुरू की। जिसके चलते अब टिपर वाहन अब डोर टू डोर कूड़ा उठाएंगे। वाहनों में दो भागों में मैला और सूखे कूड़े को डोर टू डोर कलेक्ट किया जाएगा। तीन गाड़ियों की विशेषता यह है कि प्रत्येक वाहन में 4 कंपार्टमेंट हैं। जिसमें सूखा, गीला, हेजाड्रीयस, सेनेटरी नैपकिन एकत्रित किया जाएगा। तथा अतिरिक्त वाहन में जागरूकता हेतु सहायक साधन जैसे पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम उपलब्ध हैं। सभी वाहन जीपीएस सुविधा से युक्त है। इन गाड़ियों से सर्वप्रथम जून 4 में शत-प्रतिशत भवनों से कूड़ा संग्रहण किए जाने का लक्ष्य है।

उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में जैविक खेती को दे रही बढ़ावा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा दिए जाने हेतु कई योजनाएं चलाई जा रही है। वर्ष 2019-20 में परंपरागत कृषि विकास योजना अंतर्गत 25 जनपदों में 500 क्लस्टर का गठन कर कृषि विभाग द्वारा एवं नमामि गंगे योजना के अंतर्गत 11 जनपदों में 700 क्लस्टर का गठन कर यूपी डास्प द्वारा कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2020-21 में नमामि गंगे योजना के अंतर्गत 16 जनपदों में 1789 क्लस्टर का गठन कर कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा दिये जाने हेतु योजना संचालित की जा रही है। कुल 49 जनपदों के 3309 क्लस्टरों में जैविक खेती का कार्य किया जा रहा है। झांसी व बांदा में ऑर्गेनिक आउटलेट की स्थापना कराई गई है। इसके अतिरिक्त मृदा में जीवांश कार्बन की मात्रा को बढ़ाने हेतु वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना की जा रही है। अब तक 240243 वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना कराई जा चुकी हैं। 2017-18 में 69139 वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना कराई गई है जबकि 2018-19 में 84812 वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना कराई गई। वर्ष 2019-20 में 83036 वर्मी कम्पोस्ट यूनिट की स्थापना कराई गई है।

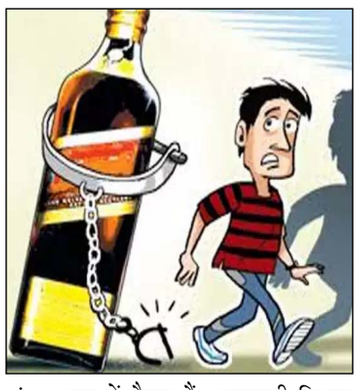

पीएम आवास पूर्ण करने व धनराशि हस्तांतरित करने में उ0प्र0 का देश में प्रथम स्थान

लखनऊ, संवाददाता। प्रधानमंत्री आवास योजना-सबके लिए आवास (शहरी) मिशन के अंतर्गत मिशन के घटक बीएलसी द्वारा 5 लाख से ऊपर आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर प्रदेश को देश में प्रथम स्थान पर ला दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग दीपक कुमार ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत शहरी क्षेत्र में आवास विहीन लोगों के लिए भारत सरकार द्वारा अब तक 16,75,176 आवासों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके सापेक्ष 5,21,692 आवास पूर्ण हो चुके हैं। पूर्ण आवासों में बीएलसी घटक द्वारा 5,20,952 आवास पूर्ण करने पर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश पूरे देश में पी एफएम एस पोर्टल द्वारा डीबीटी के माध्यम से 13441.37 करोड़ की धनराशि लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित करने में भी प्रथम स्थान पर है।

एलडीए ने चिनहट में अवैध निर्माणों को सील किया

लखनऊ, संवाददाता। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शिवाकान्त द्विवेदी के लखनऊ शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु प्रवर्तन विभाग के अधिशासी अभियन्ताओं को दिये गये सख्त निर्देशों के अनुपालन में आज कार्यवाही की गयी। ओम प्रकाश गुप्ता व अन्य द्वारा चन्दन हॉस्पिटल के सामने, कमता, फैजाबाद रोड, लखनऊ।मेसर्स अटैऊक्टिव निर्माण प्रा.लि. व अन्य द्वारा उत्तर धौना, तिवारीगंज, फैजाबाद रोड, शक्ति अपार्टमेण्ट, लखनऊ। अरविन्द जैन व अन्य द्वारा मानस सेन्टर के पीछे, कंचनपुर मटियारी, देवा रोड, लखनऊ।उपरोक्त अवैध निर्माणों अधिशासी अभियन्ता-प्रवर्तन, जोन-5 के.के. बंसला के नेतृत्व में क्षेत्रीय अभियन्ताओं तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

चिनहट पुलिस ने की नकली शराब के कारोबार में शामिल एक और की गिरफ्तारी

लखनऊ, संवाददाता। चिनहट पुलिस ने अवैध फर्जी पावर हाउस, विंडीज, फाइटर दीवाना कंपनी का लोगो लगा कर नकली शराब को असली के रूप में दिखाकर बेचने वाले गैंग के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक धनंजय पांडे ने बताया अभियुक्त आदित्य सिंह उर्फ बारिश पुत्र विजय सिंह निवासी डूंगरी थाना अंतू प्रतापगढ़ को गिरफ्तार किया गया है। पकड़ा गया अभियुक्त पिछले दिनों गिरफ्तार अभियुक्तों के साथ मिलकर अवैध शराब का काला कारोबार कर रहा था। बता दें इस संबंध में पुलिस ने उसके साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अभियुक्त के पिता डब्ल्यूएचओ में अधिकारी के रूप में तैनात हैं। आबकारी विभाग की अनदेखी और लापरवाही के चलते लखनऊ सहित कई जनपदों में यह कारोबार फैला हुआ था। जल्द ही लखनऊ पुलिस अपनी रिपोर्ट आबकारी विभाग के खिलाफ भेजेगा। ताकि आबकारी विभाग के दोषी अफसरों के खिलाफ भी कार्रवाई हो सके।

फतेहपुर सेना भर्ती रैली सीईई के लिए 16 अक्टूबर से मिलेंगे एडमिड कार्ड

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में एक नवम्बर को होने वाली सेना की भर्ती रैली के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) के प्रवेश पत्र 16 अक्टूबर से लखनऊ में वितरित किए जाएंगे। मध्य कमान के प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि औरैया, बांदा, बाराबंकी, चित्रकूट, फतेहपुर, गोंडा, हमीरपुर, कन्नौज, कानपुर नगर, कानपुर देहात, लखनऊ, महोबा और उन्नाव के लिए इसी साल दो फरवरी से फतेहपुर में आयोजित भर्ती रैली की सामान्य प्रवेश परीक्षा अब एक नवंबर को निर्धारित की गई है। मेडिकल फिट उम्मीदवारों को नए एडमिट कार्ड का वितरण 16 अक्टूबर से भर्ती कार्यालय मुख्यालय लखनऊ में शुरू होगा। उन्होंने बताया कि सभी रैली फिट और मेडिकल फिट उम्मीदवारों को सूचित किया गया है कि उक्त परीक्षा के लिए वे अपना एडमिट कार्ड प्राप्त करें।

आग से प्रभावित बस्ती पहुँचे कानून मंत्री दिए आर्थिक सहायता के प्रमाण पत्र

आग की चपेट मे आकर बर्बाद हुए लोगो की मदद का सिलसिला जारी

लखनऊ, संवाददाता। तीन दिन पूर्व आग की चपेट मे आकर बर्बाद हुए ऐशबाग राम नगर के धोबी घाट झोपड़ पट्टी के लोगो के जख्मो पर सरकार ने मरहम लगाने का प्रयास करते हुए आग से प्रभावित हुए 48 परिवारो की आर्थिक सहायता करते हुए तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर प्रत्येक परिवार को 7 हजार 9 सौ रूपए की सहायत दी है। बुद्धवार की सुबह आग से प्रभावित हुई गरीब बस्ती पहुँचे प्रदेश के कानूनमंत्री बृजेश पाठक भाजपा अल्पसख्यंक प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष मोहम्मद जिशान खान और जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने आग से प्रभावित हुए लोगो को आर्थिक सहायता के प्रमाण पत्र दिए। भीषण आग से जल कर तबाह हुए 48 परिवारो को आर्थिक सहायता के साथ सभी को कानूनमंत्री ने अपनी उपस्थिति मे दवाओं का वितरण भी कराया। आपको बता दे कि 11 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे ऐशबाग की राम नगर कालोनी के बीच बसी धोबीघाट झोपड़ पटटी मे अचानक आग लगने से बस्ती की करीब 48 झोपड़िया जल कर राख हो गई थी।

बस्ती मे लगी भीषण आग से करीब एक दर्जन गैस सिलेन्डरो भी आग की जद मे आकर फट गए थे। आग की चपेट मे आकर इस बस्ती मे रहने वाले 50 वर्षीय पुत्तन मामूली तौर से घायल हो गए थे। करीब एक दर्जन फायर ब्रिगेड की गाड़ियो ने कई घंण्टे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। बस्ती में आग लगने से तबाह हुए सभी परिवारो की मदद के लिए कई गैर सरकारी संस्थाएं सामने आई और सोमवार की सुबह से ही लोगो ने बस्ती के लोगो मे भोजन कपड़े और दवाओ का वितरण शुरू करवा दिया था। सामाजिक संस्थाओ की मदद का सिलसिला अभी भी लगातार जारी है। इस्लामिक सेन्टर मे करीब एक वर्ष से चल रहे आदम किचन की तरफ से आग से प्रभावित लोगो के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है आग से प्रभावित बस्ती मे रहने वाले तमाम लोगो को इस्लामिक सेन्टर मे चलने वाले आदम किचन के दस्तर ख्वान पर रोज खाना खिलाया जा रहा है। रविवार की रात बस्ती मे आग लगने की खबर के बाद मौलाना मुशताक नदवी और सामाजिक कार्यकर्ता हाजी मोहम्मद कलीम ने बस्ती पहूँच कर तत्काल आग से प्रभाति लोगो के रहने के लिए टेन्ट लगवाया था सुबह होते ही आग से प्रभावित लोगो की मदद के लिए तमाम समाज सेवी संस्थाए सामने आई और आग से प्रभावित लोगो की मदद का सिलसिला लगातार जारी है।

कानून व्यवस्था को लेकर योगी सख्त, कहा

महिलाओं से जुड़े अपराध के मामलों में तेजी से करें कार्रवाई

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति बढ़ते अपराध को देखते हुए सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रूख अख्तियार किया है। उन्होंने आगरा, चित्रकूट एवं प्रतापगढ़ की घटनाओं का संज्ञान लेकर अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यूपी में बालिकाओं से सम्बन्धित अपराधों में शीघ्र प्रभावी व कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बता दें कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के अधिकारियों को कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि महिलाओं-बच्चियों के प्रति अपराधिक मामलों में वरिष्ठ अधिकारी शीघ्र ही मौका का मुआयना करें। इसके साथ ही जांच संबंधी कार्रवाई समय से पूरा करें। उन्होंने निर्देश दिया कि पीड़ित परिवारों की देखभाल की जाए और उन्हें तत्काल फौरी सहायता उपलब्ध कराई जाए। योगी ने कहा कि पीड़ित परिवार को समयानुसार सुरक्षा की आवश्कता हो तो शीघ्र मुहैया कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भी महिला संबंधी, बालिका संबंधी, दलित वर्ग से संबंधित बालिकाओं और महिलाओं के साथ अपराध के प्रकरण सामने आएं, वहां तत्काल घटना का संज्ञान लेकर मुकदमों को फास्ट ट्रैक कोर्ट व पॉक्सो कोर्ट में दाखिल करें और त्वरित न्याय सुनिश्चित कराएं।

पीएसी व सुरक्षा मुख्यालय में सैनीटाईजर खरीद आदि में गड़बड़ी के आरोप

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने पीएसी तथा सुरक्षा मुख्यालय में फर्जी खरीद-फरोख्त के संबंध में उन्हें भेजी गयी शिकायत की जाँच की मांग की है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा अन्य अफसरों को भेजे अपने पत्र में नूतन ने कहा कि उन्हें कल एक गुमनाम शिकायतीपत्र प्राप्त हुआ जिसमे पीएसी तथा सुरक्षा मुख्यालय के अफसरों द्वारा फर्जी बिल बना कर गोमतीनगर स्थित एक होटल समूह को फायदा पहुँचाये जाने तथा सेल-परचेज के नाम पर करोड़ों रुपये के फर्जी बिल कटवाए जाने के आरोप हैं. पत्र में कहा गया है कि पीएसी मुख्यालय तथा सुरक्षा मुख्यालय में सैनीटाईजर तथा 15 अगस्त को ध्वजारोहण के अवसर पर लड्डू तक उसी होटल से खरीद कर मंगवाना जाना दिखाया जाता है जबकि उस होटल का इन सामानों के व्यवसाय से कोई लेना-देना नहीं है, नूतन ने शिकायत में अंकित आरोपों की निष्पक्ष जाँच कराये जाने का अनुरोध किया है।

कोरोना काल में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए सरकार उठाए प्रभावी कदमः दीपक सिंह

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में प्रदूषण की समस्या के प्रति सरकार को आगाह करते हुए कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता दीपक सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखी है और कोरोना काल में प्रदूषण की समस्या के विकराल होने से पहले एहतियाती कदम उठाने की अपील की है।सिंह ने पत्र में लिखा ''प्रदेश में अभी से प्रदूषण भयावह स्थिति में पहुंचने वाला है। गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार पहुंच चुका है जबकि गोरखपुर, कानपुर, वाराणसी, मेरठ, लखनऊ, बुलंदशहर और बागपत जैसे जिलों में एक्यूआई 200 के पार है। जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए तो लोगों का सांस लेना भी दूभर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड 19 महामारी के दौर में पिछले साल की तरह देश के 15 सर्वाधिक प्रदूषित नगरों में आधे यूपी के रहे हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना संचालित

वर्ष 2020-21 में दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रों के लिये आनलाइन

लखनऊ, संवाददाता। वर्तमान में पिछड़े वर्गों के विकास एवं उनके शैक्षिक स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना आनलाइन संचालित है, जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में स्थित समस्त राजकीय विद्यालय, राजकीय सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत अन्य पिछड़े वर्ग के पात्र छात्रध्छात्राओं को प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान करते हुये उनके शैक्षिक स्तर को निरन्तर ऊंचा उठाने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2020-21 में दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत छात्रों से आनलाइन आवेदन से लेकर छात्रवृत्ति वितरण तक के लिए समय-सारिणी निर्गत कर दी गयी है। छात्रों को 05 नवम्बर, 2020 तक आनलाइन आवेदन कराये जाने की तिथि निर्धारित की गयी है। छात्रवृत्ति का वितरण अन्तिम रूप से 26 जनवरी, 2021 तक कराया जाना निर्धारित है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति,शुल्क प्रतिपूर्ति योजना योजनान्तर्गत कुल 120000.00 लाख की धनराशि प्राविधानित की गयी है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में उपलब्ध बजट रुपये 60972.00 लाख से 20 लाख 22 हजार 865 छात्र एवं छात्राओं को एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना में उपलब्ध बजट रुपये 99969.78 लाख से 16 लाख 42 हजार 406 छात्र एवं छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश में स्थित समस्त राजकीय विद्यालय, राजकीय सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओ में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्रायें जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हो और जिनकी माता पिता अथवा अभिभावक की वार्षिक आय 2 लाख या उससे कम होए उन्हें दशमोत्तर छात्रवृत्ति,शुल्क प्रतिपूर्ति बजट की उपलब्ध सीमा तक दिये जाने का प्राविधान किया गया है। इस हेतु छात्र को छात्रवृत्ति प्रबन्धन प्रणाली की वेबसाइट पर निर्धारित समयान्तर्गत आनलाइन आवेदन किया जाना होता है। कोर्स ग्रुप समूह.1 में बी0टेक, एम0बी0ए0, एम0बी0बी0एस0 कोर्स, समूह-2 में एम0एस0सी0, एम0ए0, बी0बी0ए0 पी0जी0 डिप्लोमा आदि कोर्स, समूह-3 में बी0बी0एस0सी0, बी0काम0 आदि कोर्स तथा समूह-4 में इण्टरमीडिएट, आई0टी0आई0 पालीटेक्निक आदि कोर्स सम्मिलित है।

आउटसोर्सिंग भर्ती मामले को लेकर झलकारी बाई अस्पताल की नर्सों ने किया विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी स्थित झलकारी बाई अस्पताल की नर्सों का आज सरकार विरोध प्रदर्शन किया। राज्य कर्मचारी संघ के बैनर तले नर्सों ने किया 30 मिनट का सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। निजीकरण और आउटसोर्सिंग की भर्ती को लेकर कर्मचारियों ने सरकार ने के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनकी मांग है कि सरकार ने भत्तों में जो कटौती की हैं उसे तुरंत बहाल करे। साथ ही खाली पदों पर जल्द भर्ती प्रकिया शुरू करने की मांग की है। इस दौरान स्टाफ नर्स अनीता ने बताया की एक एक कर के लोग रिटायर हो रहे है और सरकार खाली पड़े पदों पर भर्ती नहीं कर रही है। नर्सिंग स्टाफ की भर्ती नहीं हो रही है बच्चे ट्रेनिंग कर के बैठे है। एक स्टाफ 25 से 30 बेड देखती है जो मानक के अनुसार नहीं है। हम लोग आउटसोर्सिंग का विरोध करते है। सरकार से मेरी मांग है की सरकार भर्ती करें पुरानी पेंशन जो बंद उसे लागू करे। कोरोना काल में हम सब ने काम किया उसके बावजूद हम लोगो का यह हाल है। वहीं सीनियर नर्सिंग ऑफिसियर सुशीला तिवारी ने बताया की सरकार आउटसोर्सिंग से भर्ती कर रही है हम सब इसका विरोध करते है और सरकार से मांग करते है की जब एक दिन के लिए एमपी, एमएलए बनता है तो उसको जिंदगी भर पेंशन मिलती है और हम सब पूरी जिंदगी काम करते है उसके बावजूद हम लोगो की पेंशन,भत्ता सरकार ने क्यों बंद कर दिया।

बेनामी सम्पत्तियों को जब्त करे योगी सरकारः अखिलेन्द्र

सत्ताधारी दल से जुड़े अपराधियों पर भी हो कार्यवाही

लखनऊ, संवाददाता। आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राज्य स्तरीय कार्यकर्ताओं की वर्चुअल बैठक को सम्बोधित करते हुए स्वराज अभियान के नेता अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हालिया कार्यक्रम, जिसके तहत प्रदेश के बड़े माफियाओं द्वारा कायदा कानूनों की धज्जियां उड़ाकर बनाई गयीं विशाल इमारतों पर बुलडोजर चलाये जा रहे हैं, को लेकर एक खास तरह की चर्चा है। आमजन जो लचर कानून व्यवस्था के कारण इन अपराधियों के सामने खुद को असहाय महसूस करता था, इस समय खुश नजर आ रहा है। आवश्यकता है कि वक्ती खुशी को दरकिनार कर, हम इस कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले प्रश्नों पर भी ठहर कर विचार करें। पहली समस्या इस कार्यक्रम का भेदभावपूर्ण चरित्र है। आम धारणा यह बन रही है कि बुलडोजर की जद मे सिर्फ वे बाहुबली आ रहे हैं जो विपक्षी दलों से जुड़े रहे हैं। सत्ताधारी दल से जुड़े अपराधी, खास तौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश के, आम तौर से इन कार्यवाहियों से बचे हुये हैं। दूसरा प्रश्न यह खड़ा होता है कि जिस भ्रष्ट और अक्षम नौकरशाही के सहयोग से ये आलीशान इमारतें खुलेआम खड़ी हुई थीं, उनके खिलाफ क्या कार्यवाही हुई? इसका खुलासा न अभी हो रहा है और न ही भविष्य मे होने की संभावना है। फिर गिराई गयी सारी इमारतें वे हैं जो बिना नक्शा पास कराए बनाई गयीं थीं। यह तथ्य किसी से छिपा नही है कि शहरों में किये गये अधिकांश निर्माण नक्शों की शर्तों का उल्लंघन कर किये जाते हैं। इतना सारा अवैध निर्माण बिना भ्रष्ट सरकारी मशीनरी के सहयोग के नहीं किया जा सकता है। योगी सरकार को स्पष्ट करना चाहिये कि उसके पास अवैध निर्माण में सहयोग करने वाले सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की क्या कार्य योजना है और अगर उसका कोई इरादा उन्हें दंडित करने का है तो उसकी समय सीमा क्या होगी। बिना नक्शों को पास कराये या सरकारी जमीनों पर बनाये गये भवनों से कम चिंता का विषय क्या वे आलीशान रिहायशी इमारतें नही होनी चाहिये जो रिश्वत की कमाई से वरिष्ठ नौकरशाहों और नेताओं ने खड़ी कर रखी हैं। ये अवैध इमारतें भी जमींदोज होनी चाहिये बशर्ते कि ऐसी इच्छा शक्ति योगी सरकार दिखाएं।

प्रदेश में महिलाएं और बच्चियां पूरी तरह असुरक्षित, रोजाना कई घटनाएं आ रही हैं सामनेः अजय कुमार लल्लू

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में महिलाओं और बच्चियों के साथ रोजाना हो रहीं रेप, गैंगरेप, हत्या, तेजाब डालकर जलाये जाने, छेड़खानी से तंग आकर बच्चियों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अभी हाथरस, बलरामपुर, प्रयागराज, बुलन्दशहर, आजमगढ़, वाराणसी, लखीमपुर, गोरखपुर, अलीगढ़ आदि जनपदों में हुई जघन्य घटनाओं से क्षुब्ध और आक्रोशित प्रदेश की जनता उबर नहीं पायी कि परसों जनपद गोण्डा के परसपुर में तीन सगी नाबालिग बहनों पर रात्रि में सोते समय अपराधियों द्वारा तेजाब फेंककर गंभीर रूप से घायल किये जाने की घटना और कल चित्रकूट में बच्चियों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म की घटना व प्रतापगढ़ में छेड़खानी से तंग आकर किशोरी द्वारा आत्महत्या की घटना ने योगी सरकार की ध्वस्त कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी ने आज जारी बयान में कहा है कि प्रदेश सरकार महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह असफल है। त्वरित और सख्त कार्यवाही न किये जाने के चलते न्याय मिलने से वंचित बच्चियों और महिलाओं द्वारा आत्महत्या की घटनाएं प्रदेश की योगी सरकार की अक्षमता और पुलिस प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली का परिणाम है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि प्रदेश सरकार इन घटनाओं के दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के बजाए पीड़ितों को चुप कराने और अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रही है। यही कारण है कि अपराध थमने के बजाए और अधिक तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। अपराधियों के हौसले और इरादे बुलन्द हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ ठोस कार्यवाही करती तो चित्रकूट और प्रतापगढ़ सहित प्रदेश के जनपदों में हो रहीं सैंकड़ों दुःखद घटनाओं को रोका जा सकता था।

धोबी घाट की झोपड़ियां जलकर राख, इसका जिम्मेदार कौन

लखनऊ, संवाददाता। आज मुख्तलिफ सियासी व सामाजिक संगठनों ने हाजी फहीम सिद्दीकी के नेतृत्व में रामनगर धोबी घाट इलाके का दौरा किया जिसमें मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक, कब्रिस्तान बचाओ समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन, मोहम्मद मुस्तफा और मोहम्मद उमर आदि मौजूद थे। जहां 2 दिन पहले झोपड़पट्टी में लगी आग जिसमें तकरीबन 55, 60 लोगों के आशियाने जलकर राख हो गए मौके पर सभी लोगों से राब्ता किया गया जो कई दिनों से खुले आसमान के नीचे बैठे तन पर सिर्फ कपड़े ही बचे थे सब कुछ जलकर राख हो चुका था दो घर वालों से बातचीत के दौरान पता चला के उनकी बेटियों की शादी होने वाली है ,जिसमें एक की 30 अक्टूबर को होने वाली है और दूसरे की भी करीब ही है।

अखिल भारतीय किसान मजदूरो ने सौंपा ज्ञापन

बारा, प्रयागराज। सैकड़ों किसानों व मजदूरों ने बारा तहसील पर किसान विरोधी, मजदूर विरोधी, विदेशी कम्पनी पक्षधर, कारपोरेट पक्षधर खेती के 3 कानून का विरोध किया और भारत सरकार से मांग की कि इसे वापस लिया जाए। इस आशय का ज्ञापन नायब तहसीलदार श्री रविकान्त द्विवेदी को सौपा। नेताओं ने समझाया कि इन 3 कानूनों के अमल के बाद विदेशी कम्पनियां,बड़े प्रतिष्ठान अनाज व अन्य फसलों के व्यापार में अपनी मंडियां स्थापित कर लेंगे, किसानों से ठेका खेती कराएंगे, लागत के सामान की बिक्री, भंडारण,शीत भंडारण, परिवहन,फसल व प्रसंस्कृत फसल की बिक्री पर अपना प्रभुत्व जमाएंगे। वे ये सारा कार्य तरह-तरह के बिचौलियों के माध्यम से करेंगे, जैसे-ठेके की खेती के लिए जमीन एकत्र करना व बिक्री के लिए फसल एकत्र करना एग्रीगेटर करेगा। लागत की आपूर्ति बिचौलिया करेगा।फसल की गुणवत्ता पारखी तय करेगा और निजी

मंडिया अपना अलग से शुल्क वसूलेंगी। किसान को अपनी जमीन गिरवी रखनी पड़ेगी, मंहगी लागत खरीदनी पड़ेगी और खेती करने व फसल की बिक्री की स्वतंत्रता समाप्त हो जाएगी।

ये तीन कानून कारपोरेट को खाने की जमाखोरी व कालाबाजारी करने की पूरी छूट देगा, क्योंकि इन कानूनों के तहत भारत सरकार खाने को आवश्यक वस्तु नहीं गिनेगी। विरोधकर्ताओं ने उ.प्र. सरकार को एक अलग ज्ञापन सौंपा,जिसमें मांग की कि गांव में सभी को मनरेगा के तहत पूरे महीने न्यूनतम मजदूरी दर पर काम दिया जाए और राशन में सभी को 15 किलो अनाज, 1 किलो दाल, तेल, चीनी प्रति यूनिट दिया जाए। ज्ञापन मं कहा गया कि उ0प्र0 सरकार ने बड़े व्यापारियों व बालू माफियाओं के पक्ष में एक बेतुका और गैरकानूनी आदेश 24 जून 2019 को पारित किया था, जिसमें केवल जमुना नदी व केवल प्रयागराज में पर्यावरण रक्षा के नाम पर नाव से बालू खनन पर रोक लगाई थी,ताकि माफिया के लोडर चल सकें। उन्होंने कहा कि सरकार रवन्ने के सरकारी रेट 65 रु0 प्रति घनमीटर की जगह 700 रु0 घन मीटर की वसूली करा रही है जिससे बालू की बिक्री प्रभावित है और यह अतिरिक्त कमाई पुलिस अफसरों व भाजपा नेताओं की जेब में जा रही है। उन्होंने मांग की कि इस आदेश को वापस लेकर नाव से बालू खनन का कार्य सुचारू रूप से चलाया जाए। प्रदर्शन में भाग लेने वालों में का0 हीरालाल, राम कैलाश कुशवाहा, सुरेश निषाद, विनोद निषाद, पप्पू निषाद, मोतीलाल, रामबरन, सतीश पटेल,भैरोलाल पटेल, रामराज,रोहित व अन्य थे।

सड़क दुर्घटना में 17 वर्षीय छात्रा की दर्दनाक मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। कोतवाली क्षेत्र के बासुपुर चौराहे के समीप सड़क दुर्घटना में एक 17 वर्ष की छात्रा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हैं।मिली जानकारी के अनुसार बासुपुर गाँव निवासी युवक संतलाल हरिजन उर्फ बैजनाथ उम्र 55 वर्ष शाम करीब 4:00 बजे अपनी पुत्री अनीता के साथ हंडिया दवा लेने के लिए गए थे। जब वे हंडिया से अपने घर बासुपुर वापस आ रहे थे जैसे ही वह फ्लाईओवर के पुर्वी अंतिम छोर पर पहुंचे थे कि तभी फ्लाईओवर से नीचे उतर रहे ट्रक की चपेट में आ जाने से साथ में बैठी उनकी 17 वर्षीय पुत्री अनीता मधुकर की ट्रक की चपेट में आ जाने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर कोतवाल हंडिया शमशेर बहादुर सिंह व वरिष्ठ उपनिरीक्षक राकेश सिंह मय फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं घटना की जानकारी जैसे ही परिजनों को लगी परिजन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

रामलीला बन्द करने की धमकी देने वाले प्रधान के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

ग्रामीणों के घेरे में खड़ा ग्रामप्रधान

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के सौरा गांव में मंगलवार को प्रधान के रवैये से छुब्ध ग्रामीणों ने रामलीला मंच पर प्रधान के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किये। सौरा गांव की ज्ञान भारती रामलीला कमेटी 1982 से रामलीला का मंचन किया जा रहा है। रामलीला मंच के पास 1992 में प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक सौरा का निर्माण किया गया है। इस पर आरोप है कि ग्रामप्रधान इब्राहिम ने विद्यालय प्रांगण में स्थित मंच पर रामलीला न होने देने की ग्रामीणों को चैलेंज दे दिया। यह सुन रामलीला के सभी पात्र एवं ग्रामीण लामबंद हो गये। सभी एकजुट होकर रामलीला के अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव की अगुवाई में मंच के पास विद्यालय प्रांगण में पहुच गये। प्रधानाचार्य सुनील कुमार से पूछने पर उन्होंने ने भी स्कूल प्रांगण में रामलीला न होने की बात कही। यह सुन ग्रामीणों और रामलीला पात्रो का गुस्सा सातवें आसमान पर हो गया उन्होंने खण्ड शिक्षा अधिकारी के आने की जिद पर अड़ गये। रामलीला मंच पर प्रधान के खिलाफ खूब जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। सैदाबाद खण्ड शिक्षा अधिकारी राममूर्ति यादव मौके पर पहुचकर ग्रामीणों को रामलीला होने का आश्वासन दिया। थोड़ी देर में शिक्षकों की शिकायत पर यूपी 112 पुलिस और उतरांव के सब इंस्पेक्टर लल्लन यादव मय फोर्स पहुच गये। वही खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि एसडीएम और डीएम से बात करके रामलीला का मंचन कराया जाएगा।

सूख रही फसलों को लेकर किसानों ने चांद खम्हरिया में किया सत्याग्रह

प्रयागराज। मेजा तहसील अंतर्गत भारतीय किसान यूनियन भानु के नेतृत्व में सूख रही फसलों को लेकर तत्काल इटवा राजवाहा में पानी न छोड़े जाने पर प्रदेश उपाध्यक्ष (सदस्य जिला पंचायत प्रयागराज) ललन सिंह पटेल व युवा जिला अध्यक्ष यमुनापार रणधीर सिंह कुशवाहा, तहसील अध्यक्ष मेजा रमाकांत यादव, ग्राम अध्यक्ष डीही खुर्द बृजेश सिंह भूर्तियां, नंदू पटेल, रामपति पटेल, इंद्रेश कुमार कोल आदि भारतीय किसान यूनियन भानु के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं व किसानों की मौजूदगी में चांद खम्हरिया चौराहे पर सत्याग्रह कर आंदोलन की शुरुआत की है किसानों ने सूख रही फसलों को देखकर किसानों ने तत्काल पानी छोड़े जाने की बात कहीं लेकिन सत्याग्रह के दूसरे दिन तक कोई भी सिंचाई विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे जिसमें आक्रोशित किसानों ने कहा कि पूरी तरह से सिंचाई विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों की उदानसीनता बनी हुई है जिससे किसान आक्रोशित हैं वहीं पर प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक यह सत्याग्रह चलता रहेगा।

दो समुदायों के बीच हुआ मारपीट में चले ईट पत्थर

प्रयागराज। फाफामऊ बनारस रोड सोरांव थाना के अंतर्गत फाफामऊ क्षेत्र में शाम को लगभग 8 बजे बनारस रोड पर कुछ लड़कों से कहासुनी हो रही थी उसी बीच गंगाराम यादव पुत्र छेदीलाल दुकान घर के सामने चाय नमकीन बिस्कुट आदि की दुकान है जिसमें हमीन आदिल अलफैज पुत्र हातिम सभी लोग पूर्णता के मौके पर आये और उसी समय गंगाराम यादव की दुकान पर मारपीट करना शुरू कर दिए दुकान पर ही रखे बाटऔर पत्थर से लात घूसो से मारना शुरू कर दी उसी तरह उसी में गंगाराम यादव का सर फट गया लहूलुहान होकर के जमीन पर गिर पड़े उनकी पत्नी आई तो गंगाराम पत्नी को भी मारे पीटे और गंगाराम की दुकान का सारा सामान फेंक दिए।

तालाब में अवैध मत्स्य पालन की शिकायत पर नहीं हुई कार्यवाही

ग्राम प्रधान पुत्र के आगे तहसील प्रशासन हुआ बौना

हनुमानगंज, प्रयागराज। क्षेत्र के तहसील फूलपुर के कोटवा गाँव स्थित तालाब में गाँव के कुछ दबंगों ने बगैर तहसील प्रशासन के अनुमति के जबरन मछली पाल रखी है,जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने समाधान दिवस में की जिसपर तहसील प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की, अवैध मत्स्य पालन के सम्बन्ध में गाँव के प्रधान पुत्र का कहना है कि दबंगों ने तालाब में जो मछली पालन किया है उसकी स्वीकृति हमने दी है प्रधान पुत्र के आगे तहसील प्रशासन बौना साबित हो रहा है।तहसील फूलपुर के कोटवा गाँव स्थित पावर हाउस के पास दो तालाबों में गाँव के कुछ दबंगों ने बगैर तहसील प्रशासन के अनुमति व बगैर पट्टे के तालाब में जबरन मछली पाल रखी है।

थाना चिनहट के अन्तर्गत किये जा रहे अवैध निर्माणों को सील किया गया

लखनऊ। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री शिवाकान्त द्विवेदी द्वारा लखनऊ शहर में हो रहे अवैध निर्माणों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु प्रवर्तन विभाग के अधिशासी अभियन्ताओं को दिये गये सख्त निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक 06.10.2020 को निम्नानुसार कार्यवाही की गयी। जिसका विवरण निम्नवत् है। श्री ओम प्रकाश गुप्ता व अन्य द्वारा चन्दन हॉस्पिटल के सामने, कमता, फैजाबाद रोड, लखनऊ। मेसर्स अटैअक्टिव निर्माण प्रा.लि. व अन्य द्वारा उत्तर धौना, तिवारीगंज, फैजाबाद रोड, शक्ति अपार्टमेण्ट, लखनऊ। श्री अरविन्द जैन व अन्य द्वारा मानस सेन्टर के पीछे, कंचनपुर मटियारी, देवा रोड, लखनऊ। उपरोक्त अवैध निर्माणों अधिशासी अभियन्ता-प्रवर्तन, जोन-5 श्री के.के. बंसला के नेतृत्व में क्षेत्रीय अभियन्ताओं तथा क्षेत्रीय थाना पुलिस बल व प्राधिकरण पुलिस बल की सहायता से सील किया गया।

करेंट की चपेट में आने से दो मवेशी की गई जान

प्रयागराज उरुवा ब्लाक के अंर्तगत परानीपुर मौजा बिसेन पुर में पप्पू हरिजन जो गांव में काम करके अपना परिवार चलाते है बीती रात को 11हजार हाइबोल्टेज तार को टूट कर बगल में बैठी मवेसी के ऊपर जा गिरी।रात में करीब 3बजे के आस पास के करीब में घटना घटी सुबह जब घर वालो ने भैस को चारा डालने के लिए गए । तो देखा करेंट की चपेट में मृत्यु हो चुकी थी।

पुलिस के हत्थे चढ़ा दो शातिर चोर भेजा गया जेल

प्रयागराज। वरिष्ट पुलिस अधीक्षक महोदय प्रयागराज द्वारा अपराध नियंत्रण चलाये जा रहे अभियान में पुलिस अधीक्षक यमुनापार के निकट निर्देश में क्षेत्राधिकारी मेजा के कुशल सर्वेक्षण में थाना मांडा के उप निरीक्षक संतोष कुमार सिंह व हेड कांस्टेबल जुबेर अहमद खान के द्वारा मुखबिर की सूचना पर दिनांक 14 ,10 ,2020 को समय 8:00 बजे सुबह खवास का तारा चौराहा से गिरफ्तार किया गया। 1 मोनू भारतीय पुत्र लालचंद्र भारतीय बरहा कला मांडा प्रयागराज 2 समर पांडे पुत्र केशराज पांडे टिकरी इन दोनों के कब्जे में चोरी की एक अदद मोटरसाइकिल यूपी 70 बीबी 49 71 सीडी डीलक्स व 4 अगस्त नाजायज देसी बम के साथ गिरफ्तार किया गया मु0 अ0 स0 495/ 20 धारा 411/413 मोनू भारतीया ,मु0अ0स0496/20, धारा 4/5 ,e-p (s) भिन्न भिन्न धाराओ के साथ न्यायालय भेजा गया।

कई वर्षों से बंद मन्दिर का रुद्राभिषेक के साथ हुआ पुनः शुभारंभ

रुद्र प्रताप सिंह। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में सैकड़ों सालों से प्राचीन शिव मंदिर काफी जर्जर हो चला था जिसको देखने व साफ सफाई करने वाला कोई नहीं था कंचन उजाला ने इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया तब इस खबर को संज्ञान में लेकर संगठन द्वारा कुछ लोग आगे आये और मंदिर को साफ सफाई व जर्जर पड़ी दीवारों को पुनः मरम्मत कराकर रंगाई पुताई व परिसर में बहुत सारी चीजों की मरम्मत होनी है जैसे आवागमन वाले मन्दिर के मुख्य मार्ग में लगा खरपतवार जगह जगह और लगी झाड़ियों और इंटरलॉकिंग सड़क पर बने गड्ढों को बहुत जल्द मरम्मत कराया जाएगा आज मन्दिर की साफ सफाई के साथ शिव मन्दिर परिसर में श्रंगार पूर्वक रुद्राभिषेक के साथ विधान पूर्वक पूजा अर्चना की गई जिसमे आचार्य राजमणि सहयोगी आचार्य धीरज पांडे बजरंग दल प्रखंड संयोजक दुर्गेश गुप्ता ग्राम

उपाध्यक्ष निशान तिवारी आकाश सूर्या शिवा सूर्या राजू मिश्रा ने संकल्प लिया जर्जर बड़े शिव मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था जल्द करा कर लोगों में बनी मन्दिर के समछ आस्था को नया रूप देकर मन्दिर को पुनः बड़ी धूमधाम से मुहूर्त के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें श्रद्धालुओं को मन्दिर में दर्शन करने के लिए समस्या का सामना ना करना पड़े यह जानकर आसपास क्षेत्र वासियों में आयी खुशी की लहर ग्रामीणों ने कंचन उजाला ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित कर मन्दिर की समस्याओं को दूर कराने के लिए आभार व्यक्त किया।

स्वरोजगार एवं टेलरिंग शाप योजना के अन्तर्गत केन्द्रीय सहायता प्राप्त करने के लिए 18 अक्टूबर तक करें आवेदन

प्रयागराज। उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 द्वारा संचालित ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना'' एवं टेलरिंग शाप योजना हेतु जनपद प्रयागराज के गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले (शहरी क्षेत्र के अभ्यर्थियों की वार्षिक आय रू0 56460.00 और ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थियों की वार्षिक आय रू0 46080.00 से अधिक नही होनी चाहिए) और अभ्यथियों का जाति, वार्षिक आय एवं निवास प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त हों। स्वतः रोजगार योजना में रूपये 50000.00 हजार से रू0 15.00 लाख तक की योजनाओं में बैकों के माध्यम से ऋण सुविधा प्रदान कराई जाती है। व्यवसाय हेतु लघु डेरी फार्म, रेडीमेड गार्मेण्ट, कम्प्यूटर हार्डवेयर, मेडिकल स्टोर शाप, बेकरी एवं मिठाई दुकान आदि योजनाएं सम्मिलित है। टेलरिंग शाप योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति के बेरोजगार बी0पी0एल0 श्रेणी के युवक/युवतियों को आर्थिक रूप से स्वालम्बी बनाने हेतु भारत सरकार से प्राप्त विशेष केन्द्रीय सहायता की धनराशि से नई योजना की अधिकतम परियोजना लागत रू0 20000.00 (रू0 बीस हजार मात्र) है, जिसमें रू0 10000.00 अनुदान तथा शेष धनराशि ब्याजमुक्त ऋण के रूप में विशेष केन्द्रीय सहायता से दी जायेगी। आवेदन पत्र अधोहस्ताक्षरी कार्यालय कक्ष, संख्या 82 विकास भवन, प्रयागराज में दिनांक 18.10.2020 तक जमा कर सकते है। ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र सम्बन्धित विकास खण्ड मे जमा कर सकते और ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना से सम्बन्धित साक्षात्कार की प्रक्रिया भी सम्बन्धित विकास खण्ड में ही सम्पन्न करायी जायेगी। शहरी क्षेत्र/टाउन एरिया में टेलरिंग शाप (ग्रामीण क्षेत्र के अभ्यर्थियों का भी) एवं ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना'' के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक 20.10.2020 को 12 बजे पूर्वाह्न में जिला प्रबन्धक, उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 के कक्ष संख्या 83 में होगा। सभी आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ कार्यालय में साक्षात्कार हेतु उपस्थित होना अनिवार्य है। यह जानकारी जिला प्रबन्धक, उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 टी0के0 सिंह ने दी है।

दुष्कर्म से वांछित अपराधी को माल पुलिस ने भेजा जेल

रुद्र प्रताप सिंह। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय हृदेश कुमार के निर्देशानुसार अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान में क्षेत्राधिकारी योगेंद्र सिंह मलिहाबाद के कुशल पर्यवेक्षण द्वारा पुलिस ने मिली सूचना पर थाना माल इस्पेक्टर राम सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सर्वेश कुमार शुक्ला व पुलिस स्टाप की मदद से माल पुलिस ने 376 व 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित धाराओं में वांछित अपराधी राम किशोर पुत्र बृजमोहन ग्राम पिपरी थाना माल का रहने वाला है थाना प्रभारी माल द्वारा टीम गठित कर मुखबिर द्वारा मिली सूचना के आधार पर विश्वास करके माल सैदापुर चौराहे पर अपने पुलिस फोर्स के साथ सर्वेश कुमार शुक्ला पहुंच कर बारगी दबिश देकर पकड़ लिया गया पकड़े गए व्यक्ति से नाम पता पूछा तो वह अपना नाम राम किशोर पुत्र बृजमोहन थाना अंतर्गत माल जनपद लखनऊ और अभियुक्त को उपरोक्त को जुर्म धारा से अवगत कराते हुए जिसको माल पुलिस ने कब्जे में लेकर गिरफ्तार कर भेजा जेल।

मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करना पड़ेगा मांहगा

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने आदेशित करते हुए कहा है कि जनपद प्रयागराज में मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन/जुलूस/आन्दोलन/सार्वजनिक कार्यक्रमों आदि हेतु धरना स्थल के रूप में पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइन्स के निकट राजकीय बालिका इण्टर कालेज की खाली करायी गयी भूमि को चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा है कि जनपद मुख्यालय स्तर पर भविष्य में सभी धरना-प्रदर्शन/जुलूस/आन्दोलन/सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइन्स के निकट राजकीय बालिका इण्टर कालेज की खाली करायी गयी भूमि पर नियमानुसार अनुमति प्राप्त होने के उपरांत ही किया जायेगा। इसके अतिरिक्त किसी अन्य स्थल पर धरना-प्रदर्शन/जुलूस/आन्दोलन/सार्वजनिक कार्यक्रम प्रतिबन्धित किया जाता है। इसके उल्लंघन की दशा में नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी।

पंचायत चुनाव में कौन बनेगा गांव का सिकन्दर

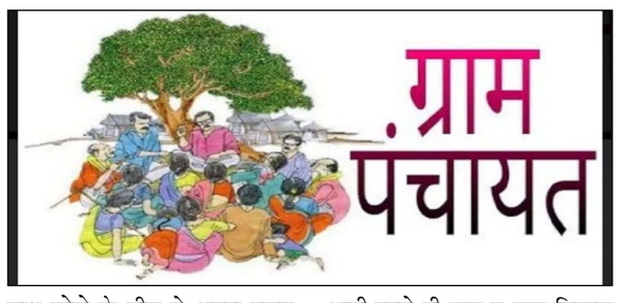

लालापुर, प्रयागराज। सरकार की तरफ से पंचायत चुनाव का संकेत आते ही गाँवो में दावेदारों की चहल कदमी तेज हो गयी है।अभी तक सीट की घोसड़ा भी नही हुयी की कौन सी सीट गांव की होगी,चुनाव लड़ पाएंगे कि नही ए किसी भी दावेदार को पता नही है।गांव की जनता की सेवा करना चाहते है,या सरकारी धन देखकर लड़ना चाहते है पंचायत चुनाव।लालापुर क्षेत्र के अधिकांस गावो मे ज्यादातर जो पिछले चुनाव में नही जीत पाए थे।

ओ भी कमरकस कर मैदान में दावेदारी अपनी ठोक रहे है।वही कुछ ऐसा चेहरा गांव के लोगो के बीच में उभर कर आ रहे है,जिनसे कभी भी गांव के दुख सुख से कभी भी मतलब नही था,ऐसे दावेदार को पूरी तरह से गांव के बुजुर्ग छोड़कर सायद ही उनको कोई पहचानता हो ऐसे ब्यक्ति सरकारी धन डकारने के लिए सेवा भाव के

साथ लोगो के बीच मे अपना प्रचार प्रसार सुरु कर दिए है।गवई राजनीति बहुत प्रबल होती है, क्योकि इतिहास साक्षी है,चाहे लोकसभा का चुनाव हो,या बिधान सभा का गांव की राजनीति से ही समीकरण बनता और बिगड़ता है।अधिकांस दावेदारों ने अपनी ब्यक्ति गत कार्ययोजना भी बना डाली बुधई की नाली बनेगी रगई की 100 मीटर की इंटरलाकिंग, आवास अनगिनती,हेण्डपम्प सभी को ऐसे दावेदार गांव की भोली भाली जनता को ठगने चल दिए है।जनता भी मजा लेने से बाज नही आती,पहले ही कुछ न कुछ विकास के नाम पर पैसा खर्च करवाना चाहती है,दावेदार से तुरंत ही पूरे गांव में बिजली के खम्भे में एल, इ,डी,बल्ब लगाने की तत्काल हामी भरा ली दो चार दिन के अंदर ही 10000 खर्च हो जाएंगे, रही बात वोट की तो ओ पता नही किसको मिलेगा किसके सिर पर ताज बंधेगा।साम होते ही प्रचार सुरु कई दावेदार ने तो पोस्टर बैनर भी लगा दिया और हाथ जोड़कर मिलना जुलना सुरु कर दिए।देखना अब ए है कि कौन बनेगा गांव का सिकन्दर।

सड़क हादसे में 5 की मौत 3 गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। क्षेत्र के करनाईपुर गांव में मंगलवार रात तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर नहर में पलट गई। घटना से वहां हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को गाड़ी के अंदर से निकाला और उन्हें अस्पताल ले गए जहां पर डॉक्टरों ने पांच को मृत घोषित कर दिया। तीन लोगों को बचा लिया गया है। बताया जा रहा है कि चालक फरार हो गया। बहरिया थाना थाना क्षेत्र के भावनापुर गांव निवासी राम सिंह पटेल ने मंगलवार को निशान चढ़ाने के बाद एक भंडारा किया था। भंडारा में प्रतापगढ़ के रानीगंज निवासी उनके कई रिश्तेदार भी शामिल हुए थे। मंगलवार रात भंडारा के बाद सभी लोग एक बोलेरो गाड़ी से लौट रहे थे। गाड़ी में कुल नौ लोग बैठे थे। बताया जा रहा है कि चालक रास्ते में अपना नियंत्रण खो बैठा। गाड़ी अचानक से करनाईपुर स्थित एक नहर में पलट गई, जिससे गाड़ी में बैठे नौ यात्री लोग उसी में फंस गए। किसी राहगीर की सूचना पर पुलिस अफसरों ने बचाव अभियान के लिए रेस्क्यू चलाया।

मशीनों पर लगी जंग, रोजगार का संकट

भुखमरी के कगार पर सिलिका सैंड कंपनी के मजदूर

लालापुर, प्रयागराज। क्षेत्र के गोल्हैया गांव के समीप पहाड़ी पर करीब 20 साल पहले स्थापित एमएमडीसी कंपनी की कोई सुध लेने वाला नहीं है।यहां लगी करोड़ों की मशीनों में जंग लग गई है। हैरानी की बात है कि कभी शंकरगढ़ के सिलिका सैंड से बनने वाली फिरोजाबाद की चूड़ियां हर सुहागन महिला के हाथों में खनकती थी, आज वहीं के मजदूर भूखों मरने की कगार पर हैं। कंपनी को पुनः संचालित कराने के क्षेत्र के

जनप्रतिनिधि भी उदासीन बने हुए हैं।प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के इस्पात मंत्रालय की ओर से स्थापित एमएमडीसी कम्पनी लिमिटेड कंपनी के सिलिका सैंड से देश के कई हिस्सों में चल रहे कांच उद्योगों को सीधे सिलिका सैंड मिलता था।कंपनी में सैकड़ों की संख्या में मजदूर व कर्मचारी काम करते थे।वर्ष 2990-91 में स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन द्वारा कंपनी की नींव रक्खी गयी थी। कुछ साल चलने के बाद वर्ष 1996-97 में यूपीएनएमडीसी ने एनएमडीसी को सौंप दिया। लगभग 10 वर्षों तक कंपनी का परिचालन एनएमडीसी ने सुचारू रूप से किया परंतु वर्ष 2007-08 में कंपनी को बंद कर दिया गया। कुछ माह पहले कंपनी में पर्यावरण की जन सुनवाई बैठक बुलाई गई। जिसमे तात्कालीन कंपनी के प्रभारी अधिकारी मृदुल दीक्षित ने जन सुनवाई में लोगों को आश्वस्त किया की जल्द ही कंपनी को चालू किया जाएगा परंतु एक सप्ताह भी नहीं बीता था कि मृदुल दीक्षित का ट्रांसफर अन्य जगह कर दिया गया। जिससे कंपनी के भविष्य पर सवाल उठने लगे। कर्मचारी और मजदूरों ने प्रधानमंत्री कार्यालय मुख्यमंत्री जिलाधिकारी व विधायक बारा को भी समस्या से अवगत कराया परंतु आजतक आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिला।

कोरोना महात्रासदी और हम

हमारे समयों में शीर्षक पाश की कविता पढ़ रहा था और बेहद पशोपेश में रहा कि यह सब कुछ हमें भी देखना और भोगना है। कोरोना दिसंबर 2019 में अचानक प्रकट हुआय तब दुनिया ने इसके भयावह रूप को नहीं अनुभव किया। देश-विदेश की तमाम सरकारों और सत्ताओं ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। घमंड बड़ी चीज होती है सत्ताओं के लिए। कोरोना के इतने अखंड पाठ हुए कि क्या-क्या कहा जाए। दुनिया और भारत के कार्य-व्यापार आसानी से चलते रहे। 30 जनवरी 2020 को एक केस आया। प्रश्न उठाने वालों को मजाक बनाया गया और भारत में अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत-सत्कार धूमधाम से होता रहा। प्रादेशिक सरकारों के गिराने के और अपनी सरकार सजाने के खेल इत्मीनान से चलते रहे। कोरोना अपनी वास्तविकताओं के साथ पूरे रफ्तार से ऊंचाइयों तक छलांग लगाता रहा। जब एक चुनी हुई सरकार निर्लज्जतापूर्वक गिरा दी गई और अपनी सरकार सजा ली गई, तब कोरोना पर केंद्र सरकार का ध्यान गया और लॉक डाउन हुआ। फिर तो यह सिलसिला निरंतर चलता रहा। आज के दिन 9 अगस्त, 2020 तक लगभग 21 लाख 50 हजार से ज्यादा कोरोना केस सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हैं। लगभग 43 हजार लोग मौत के मुंह में समा गए। कोरोना के अखंड पाठ हो रहे हैंकृ इतने धार्मिक स्थल, भावनाएं, देवी-देवता, ईश्वर और न जाने कितने रूप-रूपाकारों के बड़े-बड़े इरादे। नेता-लपाड़ी, पूजा-पुजारी, टोने-टोटके और इतने प्रकार के जनकल्याण के गलियारों में लंबे-लंबे लबादे, भजन-पूजन समारोह और धार्मिकताओं के दिगदिगंतव्यापी अनुष्ठान, इतना वैभव-प्रदर्शन, सत्ता-कारपोरेट घरानों के धन की आंधियां, फिर भी हम डरे-डरे-से आर्तनाद के विशाल रूपाकारों में दिखाई देते रहे। कहीं कोई सुरक्षा-कवच नहीं। हमने क्या-क्या नहीं किया। शंख फूंके, घरीघंट, लोटा, थाली और झांझ-मजीरे बजाएय आर्थिक पैकेज की घोषणा-पर-घोषणा कीय आत्मनिर्भरता के तराने गाएय लेकिन रहे ठूंठ-के-ठूंठ। हमें यदि किसी ने बचाया तो केवल हमारी जिजीविषा ने, विज्ञान टेक्नोलॉजी ने, चिकित्सकों और सरकारी चिकित्सा-संस्थानों और परिचारिकाओं नेय कर्तव्य में जुटे कर्मचारियों और समाज की सद्भावनाओं और सेवाभावनाओं ने।समूची दुनिया कोविड-19 या कोरोना से ताबड़तोड़ भाग रही है बचने के लिए। कोरोना पीछे पड़ा है। इन आपाधापियों में भी राजनीतिक सत्ताओं की प्यास और इनके कारनामे तरह-तरह से टहल रहे हैं। निर्वाचित सरकारों को सत्तातंत्र ने खरीद-फरोख्त के जरिए धड़ाम-धड़ाम से गिराने के पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। कुर्सियां और सत्ताएं सज-धज रही हैं। विपक्ष और प्रतिरोध को ध्वस्त करने के प्रयत्न जारी हैं। सत्ता का स्वरूप और मनोविज्ञान इस दिशा की ओर तेजी से दौड़ रहा है। कोरोना के बाद लॉक डाउन पर लॉक डाउन जारी हैं। अपने घरों में दुबके, दड़बों में बंद हम एक तरह की जेलों में कैदियों की तरह फंसाए जा चुके हैंय जिसमें थोड़ी-सी हवा, थोड़ा-सा प्रकाश हैय लेकिन यातनाओं का लंबा सफर है और अंधेरे की दहशतगर्दी है। भारत कई वर्षों से आर्थिक मंदी, सामाजिक नफरत का अभेद्य दुर्ग बना दिया गया है। युवा पीढ़ी बेरोजगार है और पढ़ाई-लिखाई लगभग शून्य है।

जनतंत्र लहूलुहान है और ऊपर से विकास-विकास के नाटक जारी हैं। हम बेशर्मी के अनंत आकाश में कलाबाजियां दिखा रहे हैं और आजादी का शंखनाद कर रहे हैं। एक मुहावरा याद आयाकृ एक तो दूबरे दूसरे दो-दो असाढ़ अर्थात् कोई एक तो दुबला-पतला है और दूसरे दो-दो माह की वर्षा झेल रहा है। एक और मुहावरा चढ़ बैठाकृ श्एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा। हम इस कोरोना त्रासदी के दौर में बेरोजगारी झेलते रहे और नई सौगात यह मिली कि एक लंबे अरसे से प्राइवेट ढंग का रोजगार कर रहे थे, वह भी चला गया। यह संख्या सात-आठ करोड़ तक रही है। सब कुछ बंदकृ चाहे फैक्टरी रही हो या मिल या अन्य फुटकर काम। कई करोड़ लोग बेरोजगारी झेलते अपने गांवों-कस्बों के लिए भागे और एक-एक हजार किलोमीटर दूर की यात्राएं करने को मजबूर हुए। जिसके पास जो साधन उपलब्ध हुए, उसी से भागे पैदल, साइकिल या अन्य माध्यमों के द्वाराकृ भूखे-प्यासे, लुटते-पिटते बीमार हालत में अपाहिज या बिना किसी धनाधोरी के। इस संदर्भ में हर एंगल से लिखा गया। आत्मा रंजन की कविता का अंश पढ़ें। शीर्षक है, दुःख के ऐसे बुचके बांधे आए थे वे शहर। कविता लंबी है, ठठरियों पर गठरियां लादे यह जनसैलाबध्किसी पिकनिक पर नहीं निकला है,मेरे कुलीन दोस्तध्किसी विरोधी दल के आह्वान पर नहींध्जुटा है यह जुटानध्किसी रैली में ढोकर लाई गई किराए की,भीड़ नहीं है ये टी.वी. पर पसरे रामराज्य की, मुग्धता के बीच,कहां समझा जा सकता है इसेध्दुरूख के ऐसे ही बुच के बांधे,आए थे शहर,वे लौट रहे हैं इस विपद समय में सिर पर लादे दुःख की गठरियां,तिरस्कारों-दुत्कारों के बीचध्छिपाते-दबाते अपनी सिसकियां,पिराती देह की आत्मा संगध्बुलेट ट्रेन रफ्तार वाले समय में,सैकड़ों मील पैदल पांव। इसे अब तो यही कहा जा सकता है कि हम शान से जी रहे हैं धिक्कारा-धिक्कारी में, धुकधुकियों के बीच, तिरस्कार-तिरस्कारी में, हाहाकार-हाहाकारी में, जय जयकारा-जय जयकारी में और ऊपर से कोरोना-कोरोनी में। अब कोई लुका-छिपी नहीं है। शर्मनाक मंजरों के स्थायी वधस्थल में लगातार जिबह होते बलिपशु की तरह नहींय बल्कि बलि मनुष्य की तरह साक्षात् जीवंत प्रमाणों और अरमानों के साथ शर्म के बीच अजातशत्रु की तरह कोरोना से ताबड़तोड़ स्थितियों के बीच। भारत के लोग मर रहे हैं तब भी छाती ठुक रही है कि दुनिया के बीच हमारा अनुपात या प्रदर्शन ठीक है। गर्व तो हमारे देश का स्थायीभाव है। जब किसी समस्या से मात खाते हैं तो देशभक्ति जनता के बीच शान से आ जाती है। नाकामी को मिटाने के लिए मंदिर मुद्दा गर्व की अनुभूति और परम अभिव्यक्ति के साथ वातावरण में घूमने लगता है। शीघ्र ही कोरोना-मरीजों का आंकड़ा प्रतिदिन एक लाख से ज्यादा के हिसाब से आएगा। सत्ता राष्ट्रीय आपदा में भी गर्व तलाश कर दम लेगी। हमारे यहां गलतियों को सुधारने या स्वीकार करने के कभी रूप सामने नहीं आएंगे। हमें अन्य देशों की तुलना में कभी भी पीछे नहीं आना चाहिए। देश स्थायी तौर पर गर्व के संसार में हैं। भारत में विकास और सुशासन के, संपन्नता और मूल्यों के आकाश की निरंतर कार्यवाहियां जारी हैं। मानवीय मूल्यों का विघटन और त्रासदियां कई-कई रूपों में विद्यमान हैं। इस देश की सरकार और सत्ता कह चुकी है कि चाहे कुछ हो जाए, वह किसी रूप में असफल नहीं हो सकती। आर्थिक विकास ने, मूल्यों के पतन ने, विभाजक रेखाओं ने हमें असहाय-निराश किया है और हमारी मानसिकता को बुरी तरह प्रभावित किया है। कोरोना त्रासदी कोई छोटी-मोटी त्रासदी नहीं है। यह एक महात्रासदी है जो जल्दी ठीक भी नहीं हो पाएगी।

सम्पादकीय

वैक्सीन की सुलभता पहली जरूरत

पूरा विश्व कोरोना के लिए वैक्सीन की प्रतीक्षा कर रहा है, लेकिन वैक्सीन उत्पादन और शीघ्र वितरण के नाम पर लाभ उठाने के लिए कुछ कॉरपोरेट हित सक्रिय हो गये हैंध्ं कंपनियों द्वारा कार्टेल बनाकर लाभ बढ़ाना कोई नयी बात नहीं है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि संकट की घड़ी में भी उनके और सहयोगी संस्थाओं के तौर-तरीके पहले जैसे ही हैंध्ं ये कंपनियों 'कोवैक्स सुविधा' के नाम पर हित साधने के प्रयास कर रही हैं, यह सब कोविड-19 के लिए उपकरणों की शीघ्र पहुंच सुनिश्चित करने के नाम पर चल रहा है इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन का रवैया भी संदेह के घेरे में है। कॉरपोरेट कार्टेल ने इस एक्ट एक्सीलरेटर का निर्माण किया है, इसे वे कोविड-19 के परीक्षण, उपचार और वैक्सीन के विकास, उत्पादन और पहुंच में तेजी लाने के लिए एक वैश्विक सहयोग का नाम दे रहे हैंध्ं कोवैक्स के नाम पर चल रहे इन प्रयासों को 'गॉवी' कॉरपोरेट गठबंधन और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा सम्मिलित रूप से चलाया जा रहा है, इसका उद्देश्य वैक्सीन का विकास और निर्माण कर बराबरी के आधार पर दुनिया के हर देश में उसकी पहुंच सुनिश्चित करना है, यह कोई रहस्य नहीं है कि गॉवी का बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के साथ गहरा रिश्ता है, सन् 2000 में बीएमजीएफ ने गॉवी के निर्माण के लिए 750 मिलियन डॉलर का अनुदान दिया था, बीएमजीएफ उसके बोर्ड का सदस्य भी है, गॉवी के ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन, मर्क नोवार्टिस, फाइजर समेत कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जो गॉवी के बोर्ड के सदस्य भी है, हालांकि, 'कोवैक्स सुविधा' में स्पष्ट नहीं है कि वे किस वैक्सीन के उत्पादन और वितरण में सहयोग करेंगे, लेकिन यह स्पष्ट है कि उन्होंने पहले से ही रूस द्वारा विकसित स्पूतनिक वी समेत, अन्य प्रयासों से विकसित हो रही वैक्सीन को किसी न किसी बहाने बदनाम करना प्रारंभ कर दिया हैध् गॉवी का ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित वैक्सीन कोवीशील्ड समेत कुछ और वैक्सीनों के पक्ष में झुकाव भी स्पष्ट दिखायी दे रहा है, गेट्स फाउंडेशन गॉवी के माध्यम से, जिसे वह दो किश्तों में कुल 300 मिलियन डॉलर दे चुका है, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को वैक्सीन उत्पादन के लिए पैसे दे चुका है, जो ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिल कर वैक्सीन तैयार कर रहा है, कहा जा सकता है कि गेट्स फाउंडेशन, गॉवी और विश्व स्वास्थ्य संगठन का कार्टेल कुछ चुनिंदा वैक्सीनों को ही अपनी सहयोगी कंपनियों के माध्यम से प्रोत्साहित कर रहा है,इस कार्टेल का उद्देश्य वैक्सीन उपलब्धता सुनिश्चित कर लोगों को राहत दिलाना नहीं, बल्कि भागीदारों के लिए अधिकतम लाभ कराना हैध् गेट्स फाउंडेशन, गॉवी और डब्ल्यूएचओ का कार्टेल इस जुगत में है कि विभिन्न देश वैक्सीन खरीद के लिए कानूनी बाध्यता के साथ प्रतिबद्धता दें, ताकि वे अधिकतम लाभ करवा सकें. आज देश और दुनिया, जिस प्रकार कोरोना के कहर से जूझ रहे हैं, कई कंपनियां अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए तमाम हथकंडे अपना रही है, एक ओर वे अपनी वैक्सीन की अग्रिम बिक्री के प्रयास कर रही हैं, दूसरी ओर, अन्य द्वारा विकसित वैक्सीन को बदनाम करने की भी कोशिश कर रही है, ये कंपनियां सीधे नहीं, बल्कि लॉबिंग कर यह काम रही है स्वयं को बड़ा दानदाता बतानेवाली संस्था गेट्स फाउंडेशन भी छद्म रूप से इस व्यवसाय में कंपनियों को लाभ पहुंचाने में लगा है, बीएमजीएफ की समर्थित कंपनियों का एक गठजोड़ 'गॉवी' भी इस कवायद में लगा है कि दुनिया के देश उसकी वैक्सीन की खरीद की अग्रिम वचनबद्धता दे दे,सच तो यही है कि गठबंधन अपनी पसंदीदा वैक्सीन का ही समर्थन करेगा और सदस्य देशों की सरकारें वैक्सीन संबंधी निर्णय की स्वतंत्रता खो देंगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा है कि देश में तीन वैक्सीन के ट्रायल अलग-अलग स्तरों पर चल रहे हैं और जल्द ही कोरोना वैक्सीन मिल सकती है, रूस ने भी एक वैक्सीन का पंजीकरण किया है और उसके व्यावसायिक उत्पादन के लिए भारतीय कंपनी डॉ रेड्डीज लेबोरेटरीज से संपर्क साधा है, वहीं सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया तो पहले से ही ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिल कर कोरोना वैक्सीन पर काम कर रहा है गौरतलब है कि वैक्सीन उत्पादन के क्षेत्र में भारत का कोई सानी नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार और दक्षिण अफ्रीका ने विश्व व्यापार संगठन से गुहार लगायी है कि कोविड-19 के लिए दवाइयों और वैक्सीनों को बौद्धिक संपदा अधिकारों यानि अनुचित रॉयल्टी से मुक्त करने की छूट दी जाए, ताकि दुनियाभर के लोगों के लिए ये आसानी से उपलब्ध हो सके, इस प्रकार भारत ने अपनी नीति स्पष्ट कर दी है। हालांकि, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के चंगुल में फंसे होने के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन इसका विरोध कर रहा है।

देश को नियंत्रित करता वंशवाद

भारतीय राजनीति में वंश-वृक्ष के सबसे अधिक माली हैं. लोकलुभावनों की पहली पंक्ति वाले ये उत्तराधिकारी ही इसके फलों का आनंद ले रहे हैं. वंश एक विशेष जाति है, जिसकी एक खासियत है- संस्थाओं और संगठनों में ऐसे धनी और शक्तिशाली लोगों की संतानों के लिए सार्वजनिक कार्यालयों में विशेष आरक्षण होता है. वंशवाद के लिए किसी विधायी औचित्य की आवश्यकता नहीं होती है. वंशक्रम पर ही सामंतवाद और राजशाही जीवित रही है.डीएनए की कभी समाप्ति तारीख नहीं होती, क्योंकि राजनीतिक राजवंशों के पितृपुरुषों और कुलमाताओं द्वारा इसे दीवानी भीड़ के लिए व्यवस्थित कर दिया जाता है. डी-टैग एक प्रीमियम ब्रैंड है, जो सर्वाधिक बिक्री योग्य होता है. वंश प्रमाणपत्र किसी भी क्षेत्र में शक्तिशाली स्थान हासिल करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण योग्यता है. साथ ही, जाति एक अतिरिक्त योग्यता है. शाही राजवंश खत्म हो चुका है. जाति, वर्ग और समुदाय के आधार पर नया राजवंश बन चुका है. शक्ति के केंद्रों तक आसान पहुंच और संस्थानों पर बिना मूल्यांकन विवादमुक्त नियंत्रण के लिए पापा और ममा के नाम पर इठलाना ही पर्याप्त है.

राजनीति से लेकर खेलों तक, मनोरंजन से लेकर कारोबार तक, संस्कृति से लेकर एनजीओ तक और यहां तक कि धर्मस्थलों पर स्वामित्व और नियंत्रण, रक्त संबंधों के आधार पर तय होते हैं, न कि मेरिट के आधार पर. पारिवारिक कब्जे के मामले में राजनीति और खेल आसान लक्ष्य बन चुके हैं. भारत के 70 प्रतिशत से अधिक खेल संस्थान राजनेताओं और कारोबारियों के बेटे-बेटियों द्वारा संचालित किये जा रहे हैं. वंशवादी संबद्धता का रसायन इतना सुनहरा है कि न्यायिक प्रयोगशालाओं में उच्चतम हस्तक्षेप भी उसकी चमक को कम नहीं कर पाता. जातीय क्षत्रपों या स्थानीय राजाओं के क्षेत्रीय राजनीतिक संगठनों में उनके पुत्र ही एकमात्र प्रबल दावेदार हैं. वंशवादी राजनीति के कभी धुर-विरोधी रहे कई पूर्व समाजवादियों ने भी इस परंपरा को आगे बढ़ाया है. वे अपने पुत्रों को खुले तौर पर प्रमोट करते हैं. हाल-फिलहाल में कई युवा राजनेता इसी सिद्धांत पर उभरे हैं, जो कि पूरे देश में सर्व स्वीकार्य ट्रेंड बन चुका है. भारत में केवल 30 राजनीतिक परिवार ही देश के 60 प्रतिशत से अधिक निर्वाचित पदों पर नियंत्रण रखते हैं. इस मामले में राष्ट्रीय पार्टियां अछूती नहीं हैं. एक अध्ययन के अनुसार, उनके 20 प्रतिशत से अधिक पदाधिकारी बेटे, बेटियां, बहनें, पत्नियां, बहुएं और दामाद होते हैं, जो विधायक, सांसद और अन्य निर्वाचित निकायों के प्रमुख बनते हैं. कांग्रेस से लेकर सभी क्षेत्रीय दलों में शीर्ष पद वंशानुगत हैं. गांधियों, करुणानिधियों, पवारों, चौटालों, बादलों, यादवों, अब्दुल्लाओं के जीन में ही राजनीति है.

राजनीति के बाद, यह व्यवसाय है, जो भारतीय समाज में वंशवादी मॉडल के वर्चस्व के लिए टोन सेट करता है. भारतीय व्यापार जगत में परिवार हमेशा से हावी रहे हैं. नब्बे के दशक में जब आर्थिक सुधार आया, तो भारत में उम्मीद थी कि बड़े व्यवसायों के स्वामित्व का दायरा बढ़ेगा, ताकि गैर-पारिवारिक प्रबुद्ध भी उत्कर्ष उद्यमों का हिस्सा बन सकें. उदार आर्थिक नीतियों ने मध्यम वर्ग को उन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने में सक्षम बनाया, जो बाजार से पैसा इकट्ठा करने के बाद अपने नियंत्रण को मजबूत करते थे.

यद्यपि, भारत लगभग 2.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है, 80 प्रतिशत से अधिक धन का स्वामित्व पांच प्रतिशत से भी कम व्यवसायी वर्ग के पास है, जिसने अपने सबसे लाभदायक प्रबंधन मॉडल के रूप में वंशवादी उत्तराधिकार को चुना है, जबकि व्यवसायों को सफल बनाने में वास्तविक प्रमोटर कड़ी मेहनत करते हैं. शीर्ष विश्वविद्यालयों से विदेशी डिग्री हासिल करने के बाद युवा पीढ़ी लौटते ही तुरंत काम संभाल लेती है. शेयरधारकों को उत्तराधिकारी के रूप में इन संतानों का ही चुनाव करना होता है. जनता से उम्मीद की जाती है कि वह कई मामलों में उत्तराधिकारियों की अक्षमता से होनेवाले नुकसान को उठाये. चूंकि, वंशवादी संस्थानों का सार्वजनिक तौर पर मूल्यांकन नहीं होता, ये ताकत और धन के बल पर अन्य लोगों को प्रतिस्पर्धा और व्यवस्था में प्रवेश करने से रोक देते हैं. फिल्म स्टार सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या मामले में बॉलीवुड में वंशवादी शक्ति के बर्बर दुरुपयोग का मामला उठाया गया. ऐसा नहीं कि सभी फिल्म अभिनेता पैतृक या मातृ संरक्षण से सुपर स्टार बन गये हैं. बॉलीवुड में कुछ खानदानों के अत्यधिक दबदबे के कारण वंशवाद की धारणा बनी है. जो लोग क्रोमोसोम क्लब का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें परिवारों द्वारा नियंत्रित मनोरंजन जगत में जगह बनाने के लिए कुछ अलग और अतिरिक्त मेहनत करनी होती है. ऐसे तमाम क्षेत्र हैं, जहां वंशवाद बहुत हावी है. शीर्ष सिविल सेवाओं में वरिष्ठ अधिकारियों की संतानें आइएएस, आइपीएस आदि के रूप में प्रवेश करने में अपनी पृष्ठभूमि की वजह से अधिक सक्षम हैं. निश्चित ही, उसमें से ज्यादातर मेरिट के आधार पर प्रशासक बनते हैं. हालांकि, पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण चयन प्रक्रिया के बारे में कई सवाल उठाये गये हैं. पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंह राव के पूर्व प्रधान सचिव अमरनाथ वर्मा के बारे में एक चुटकुला है. उनके लगभग 20 अति करीबी, जिसमें उनकी बेटी भी शामिल थी, आइएएस अधिकारी राज्य और केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन थे. ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जहां अधिकारियों के बेटे-बेटियां इन सेवाओं में दाखिल होते हैं. एससी- एसटी अधिकारियों के चयन में एक समान प्रवृत्ति दिखायी देती है. संस्थानों पर नियंत्रण के मामले में मेरिट के बजाय वंश के जरूरी योग्यता बनने के कारण, भारत जल्द ही लगभग सभी क्षेत्रों में राजवंशों के बीच युद्ध का गवाह बन जायेगा. अतीत की तरह, ताकत और राज्य के समर्थन से वंशवादी उन लोगों को दरकिनार कर देंगे, जिनका कोई गॉडफादर नहीं है. लगता है कि भारत राजवंशों द्वारा शासित लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है. व्यापक तौर पर देखें, तो वंशवाद अब लोकतंत्र का पांचवां स्तंभ है. वंशवादी पावर प्ले राष्ट्र की नींव को कमजोर करेगा, जिसे 21वें सदी में खानदानी प्रभावमुक्त होकर प्रवेश करना था. इसके बजाय, यह वंशवाद में फंस रहा है, जो राष्ट्र को 11वीं सदी तक पीछे ले जा सकता है.

भारतीय अर्थव्यवस्था अब पटरी पर आती दिख रही

यह अच्छा है कि देश का जीएसटी संग्रह मार्च के बाद पहली बार विकास की पटरी पर लौटा है। आर्थिक गतिविधियों का क्रमिक सामान्यीकरण और लॉकडाउन प्रतिबंधों से बाहर निकलना और एक पूरे इलाके या एक विशेष घर के लिए आवास परिसर पर प्रतिबंध क्षेत्रों की परिभाषा को बदलना मुख्य रूप से देश की आर्थिक स्थिति में थोड़ी सुधार के लिए जिम्मेदार हैं। इससे सरकार के उपभोक्ता कर संग्रह को बेहतर बनाने में मदद मिली है। सितंबर में जीएसटी राजस्व में चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 95,480 करोड़ रुपये हुआ। अप्रत्यक्ष कर संग्रह अप्रैल में 72 प्रतिशत गिरकर 32,172 करोड़ रुपये हो गया था, जुलाई, 2017 में जीएसटी लॉन्च होने के बाद से यह सबसे कम था। जीएसटी संग्रह लगातार छह महीने तक सिकुड़ा रहा। 25 मार्च से 68 दिनों के लॉकडाउन ने मई संग्रह में 38 प्रतिशत वार्षिक गिरावट (62,151 करोड़ रुपये) के साथ परिलक्षित किया। हालांकि, मुख्य रूप से लॉकडाउन अवधि के लिए प्राप्तियों पर राजस्व में गिरावट जून में नौ प्रतिशत (90,917 करोड़ रुपये) हो गई। इसके बाद, वार्षिक राजस्व संग्रह जुलाई में 14.3 प्रतिशत (अगस्त में 87,422 करोड़ रुपये) और अगस्त में 13 प्रतिशत (86,449 करोड़ रुपये) गिर गई। हालांकि, व्यावसायिक गतिविधियों के तेजी से आगे बढ़ने को गलत नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि देश भर में सरकार के कोविद नियंत्रण उपायों के सफल परिणाम हैं। दुर्भाग्य से इसका उलटा सच है। कोविद मामले बढ़ रहे हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे रिपोर्ट किए गए हैं या नहीं। लोगों का एक बड़ा वर्ग-शिक्षित या अशिक्षित, अमीर या गरीब-बुखार, खांसी, लगातार छींकने, शरीर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ या फेफड़ों की समस्या जैसे सामान्य कोविद लक्षणों के साथ, कोविद परीक्षणों के लिए जाने से डरते हैं। उन्हें डर है कि उनका इलाज शुरू होने के पहले कोविड जांच में वे पोजिटिव न पाएं जाएं । तो इससे उनपर सामाजिक कलंक का भी खतरा रहता है। फिट रहने के लिए अपने प्रयास में, वे अक्सर निर्धारित दवाओं और नाक के डीकॉन्गेस्टेंट स्प्रे का उपयोग करते हैं, जिसकी मांग हाल के महीनों में आसमान छू गई है। व्यावसायिक गतिविधियों के क्रमिक विस्तार को कोविद मामलों और मौतों में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ जोड़ा जा सकता है। यह निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय है। कोविद ने आर्थिक विकास, केंद्र और राज्य सरकारों और व्यक्तियों की आय को बुरी तरह प्रभावित किया है। सरकार में एक बड़ा वर्ग कोविद के साथ व्यापार के सह-अस्तित्व का पक्षधर है और दृढ़ता से महसूस करता है कि जीवन को आगे बढ़ना चाहिए।

अर्थशास्त्र के छात्र अक्सर जे.पी. मॉर्गन को उद्धृत करते हैं कि कहीं न कहीं पाने की दिशा में पहला कदम यह तय करना है कि आप जहां हैं, वहां रहने वाले नहीं हैं। हालांकि, व्यावसायिक गतिविधियों को सामान्य बनाने के लिए कदमों के साथ भागना मूर्खतापूर्ण हो सकता है। यह साबित दवाओं या टीकों की अनुपस्थिति में महामारी के निरंतर प्रसार की अनदेखी करना है। आधिकारिक तौर पर, भारत ने सितंबर में प्रतिदिन औसत 86,821 नए कोविद-19 मामलों की सूचना दी, जिससे यह देश में महामारी का सबसे खराब महीना बन गया। पिछले महीने देश में महामारी की शुरुआत के बाद से कोविद-19 के कारण सबसे अधिक मौतें दर्ज की गईं। कुल 98,628 घातक मामलों में से अकेले सितंबर में 33,255 की मौत हुई थी। यह कुल हताहतों की संख्या का 33.7 प्रतिशत था। सितंबर अंत तक देश का कोविद -19 टैली 63 लाख के पार हो गई। 1 अक्टूबर को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि टैली दिन पर दिन बढ़ रही है। 11 अक्टूबर तक 70 लाख का आंकड़ा पार कर चुके कुल मामलों में दिलचस्प बात यह है कि यूके, स्पेन, इटली, फ्रांस और जर्मनी सहित कई यूरोपीय देश कोरोनोवायरस संक्रमण की आक्रामक दूसरी लहर देख रहे हैं। और, वे सरकारें अब प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की प्रक्रिया में हैं। हाल ही में, ब्रिटेन ने कोविद-हिट क्षेत्रों में निवासियों को अपने घरों के बाहर लोगों के साथ सामाजिकीकरण को रोकने के लिए सख्त प्रतिबंधों की घोषणा की। नए प्रतिबंधों ने नॉर्थम्बरलैंड, नॉर्थ टाइनसाइड, साउथ टाइनसाइड, न्यूकैसल-ऑन-टाइन, गेट्सहेड, सुंदरलैंड और काउंटी डरहम के निवासियों को प्रभावित किया। बंद होने के महीनों बाद फिर से शुरू होने वाले स्कूलों के साथ, स्पेनिश सरकार ने छह साल से अधिक उम्र के सभी बच्चों के लिए कक्षा में और अधिकांश सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। हालांकि, जैसे ही स्कूल वर्ष शुरू हुआ, देश ने कोविद-19 मामलों में तेजी देखी। मैड्रिड जल्दी से देश के कोरोनावायरस प्रकोप का केंद्र बन गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि बड़े पैमाने पर जनसंख्या और सीमित रोजगार के अवसरों के साथ विकासशील देश भारत स्पष्ट रूप से भ्रमित है। हाल के महीनों में कोरोनावायरस के हिंसक प्रसार ने शायद सामाजिक सभा, सार्वजनिक आंदोलन और व्यावसायिक गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया। वास्तव में, ऐसा होने की संभावना नहीं है। समाज और प्रशासन बस आर्थिक रूप से इतने सक्षम नहीं हैं कि वे खुद को आय के स्तर के साथ लंबे समय तक खिला सकें। परंपरागत रूप से, अक्टूबर भारत के छह महीने लंबे व्यस्त आर्थिक मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। यह वह अवधि है जब देश के प्रमुख कृषि आधारित उद्योग जैसे कि चीनी, सूती वस्त्र, जूट उत्पाद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तत्पर हैं। भारत, जो दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उपभोक्ता है, ब्राजील के बाद दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है।

इस सीजन में हार्दिक के बाद राशिद खान भी ऐसे ही आउट हुए

शारजाह| एजेंसी।

सनराइजर्स हैदराबाद के राशिद खान आईपीएल में हिट विकेट होने वाले 12वें खिलाड़ी बन गए। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मंगलवार को खेलते हुए वे हिट विकेट आउट हुए। इससे पहले इसी सीजन में मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी हिट विकेट हुए थे। हार्दिक कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इस तरह आउट हुए थे।

शार्दुल के ओवर में हुए आउट

चेन्नई के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के ओवर में बॉल को बाउंड्री के पार पहुंचाने के चक्कर में राशिद खान क्रीज में कुछ ज्यादा ही अंदर चले गए और अपना पैर स्टंप में लगा बैठे। हालांकि इस बॉल पर बाउंड्री पर दीपक चाहर ने उनका कैच भी पकड़ लिया था, लेकिन पहले स्टंप में पैर लगने की वजह से उन्हें हिट विकेट आउट करार दिया गया। राशिद के विकेट के साथ ही चेन्नई ने मैच अपनी पकड़ में कर लिया।

पिछले सीजन में रियान पराग हुए थे हिट विकेट

पिछले सीजन में राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हिट विकेट आउट हुए थे। केकेआर के आंद्रे रसेल की बॉल पर हुक शॉट लगाने के चक्कर में वे आउट हुए थे। इससे पहले 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स के शेल्डन जैक्सन केकेआर के खिलाफ हिट विकेट हुए थे।

हार के बावजूद जोकोविच टॉप पर बरकरार

वॉशिंगटन | एजेंसी।

फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने पेरिस में खिताबी जीत के बार 37 स्थान की लंबी छलांग के साथ टॉप 20 महिला टेनिस खिलाड़ियों में जगह बनाने में कामयाब रहीं और डब्ल्यूटीए रैंकिंग में करियर के बेस्ट 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं. राफेल नडाल ने नोवाक जोकोविच को 6-0, 6-2, 7-5 से हराकर रोलां गैरो पर मेंस सिंगल्स का 13वां और कुल 20वां ग्रैंडस्लैम खिताब जीतकर रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी की लेकिन उनकी जीत से एटीपी रैंकिंग के टॉप पर बदलाव नहीं हुआ है. फरवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतने वाले जोकोविच अब भी दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी हैं जबकि नडाल दूसरे स्थान प तीसरे और फेडरर चौथे स्थान पर हैं. उन्नीस साल की स्वियाटेक ने फ्रेंच ओपन में दुनिया की 54वें नंबर की खिलाड़ी के रूप में प्रवेश किया था और 1975 में कंप्यूटरीकृत डब्ल्यूटीए रैंकिंग शुरू होने के बाद वह यह क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम जीतने वाली सबसे कम रैंकिंग वाली महिला खिलाड़ी हैं. उन्होंने फाइनल में सोफिया केनिन को 6-4, 6-1 से हराया था. महिला रैंकिंग में हालांकि टॉप 3 में कोई बदलाव नहीं हुआ है, ऐश्ले बार्टी सिमोना हालेप और नाओमी ओसाका पहले 3 स्थानों पर बरकरार हैं.

करन को ओपनिंग पर भेज धोनी ने चौंकाया

नई दिल्ली | एजेंसी।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपने फैसलों से सभी को चौंकाते रहते हैं। ऐसा ही उन्होंने आईपीएल के 29वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ किया। धोनी ने फाफ डु प्लेसिस के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए शेन वॉटसन की जगह युवा ऑलराउंडर सैम करन को भेजा। मैच में शेन वॉटसन नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। उनका फैसला सही साबित हुआ। करन और वॉटसन दोनों ने टीम के लिए उपयोगी पारियां खेलीं। धोनी के फैसले पर करन ने कहा कि डु प्लेसिस के साथ बैटिंग की शुरुआत करना मेरे लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं था। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए हमारे लिए यह मैच जीतना काफी जरूरी था। मुझे खुशी है कि रिजल्ट हमारे फेवर में रहा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के मनीष पांडे का रन आउट टर्निंग पॉइंट रहा।

ब्रावो की फील्डिंग की तारीफ की

मैच के बाद चेन्नई के ऑल राउंडर ड्वेन ब्रावो से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रावो द्वारा किया गया रन आउट काफी अहम साबित हुआ। मुझे पहले भी टॉप ऑर्डर पर बैटिंग के लिए भेजा गया, लेकिन यहां ओपनिंग करते हुए मैंने अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया, यह मेरे लिए खुशी की बात है।

धोनी बोले- करन कम्पलीट क्रिकेटर

धोनी ने करन की तारीफ करते हुए कहा कि सैम करन एक कम्पलीट क्रिकेटर हैं। टीम को हमेशा एक सीमिंग ऑलराउंडर की जरूरत होती है और करन स्पिन को भी अच्छा खेलते हैं। वे हमें अहम 15 से 45 रन भी बनाकर देते हैं, जो रिजल्ट के लिए अहम साबित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाएं हाथ का तेज गेंदबाज का होना टीम के लिए हमेशा अच्छा होता है।

सीजन में पहली बार टारगेट देकर जीती चेन्नई

आईपीएल के इस सीजन में चेन्नई पहली बार टारगेट

देकर जीती है। इससे पहले उसने दोनों मैच मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ बाद में बैटिंग करते हुए हासिल किया था। करन ने मैच में 21 बॉल पर 3 चौके और 2 छक्के समेत 31 रन की पारी खेली। वहीं, बॉलिंग में करन ने 3 ओवर में 18 रन देकर एक विकेट भी हासिल किया।

सनराइजर्स हैदराबाद को 14 मैच में 10वीं बार शिकस्त दी

दुबई में खेले गए मैच में चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 168 रन का टारगेट दिया।

मुंबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन के 29वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 20 रन से हरा दिया। सीजन में चेन्नई की यह 8 मैच में तीसरी जीत है। इसी के साथ टीम पॉइंट्स टेबल में छठवें नंबर पर पहुंच गई। चेन्नई ने अब तक हैदराबाद को 14 मैच में 10वीं बार शिकस्त दी है। रविंद्र जडेजा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 10 बॉल पर 25 रन बनाए और 1 विकेट भी लिया। इसके जवाब में हैदराबाद 8 विकेट गंवाकर 147 रन ही बना सकी। सनराइजर्स के लिए केन विलियम्सन ने सबसे ज्यादा 39 बॉल पर 57 रन की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत खराब रही थी। उसने 27 रन पर ही दो विकेट गंवा दिए थे। इस सीजन में यह पहला मौका था, जब हैदराबाद ने पावर-प्ले में एक से ज्यादा विकेट गंवाए। कप्तान डेविड वॉर्नर 9 और मनीष पांडे 4 रन बनाकर आउट हुए।

ड्वेन ब्रावो और कर्ण शर्मा ने 2-2 विकेट लिए

जॉनी बेयरस्टो भी खास नहीं कर सके और 23 रन बनाकर वे भी चलते बने। केन विलियम्सन ने बेयरस्टो के साथ 32 और फिर प्रियम गर्ग (16) के साथ 40 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभाला, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ड्वेन ब्रावो और कर्ण शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। साथ ही सैम करन, रविंद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर को 1-1

विकेट मिला। संदीप ने चेन्नई को शुरुआती 2 झटके दिए

चेन्नई की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 35 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। दोनों विकेट संदीप शर्मा ने लिए। उन्होंने सैम करन को 31 रन पर क्लीन बोल्ड किया। इससे पहले फाफ डु प्लेसिस बिना खाता खोले आउट हुए। संदीप ने उन्हें विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो के हाथों कैच आउट कराया।

वॉटसन और रायडू ने पारी को संभाला चेन्नई के दो विकेट गिरने के बाद वॉटसन और रायडू ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 81 रन की पार्टनरशिप की। रायडू को तेज गेंदबाज खलील अहमद ने डेविड वॉर्नर के हाथों कैच आउट कराया। वहीं, वॉटसन टी नटराजन की बॉल पर मनीष पांडे के हाथों कैच आउट हुए।

चेन्नई ने आखिरी 5 ओवर में 51 रन जोड़े चेन्नई के लिए शेन वॉटसन ने 42, अंबाती रायडू ने 41 और सैम करन ने 31 रन की पारी खेली। आखिर में महेंद्र सिंह धोनी ने 13 बॉल पर 21 और रविंद्र जडेजा ने 10 बॉल पर 25 रन की पारी खेली। टीम ने आखिरी 5 ओवर में 51 रन बनाए। वहीं, हैदराबाद के लिए तेज गेंदबाज संदीप शर्मा, खलील अहमद और टी नटराजन ने 2-2 विकट लिए।

सबसे महंगे-सस्ते प्लेयर्स की परफॉर्मेंस चेन्नई के सबसे महंगे खिलाड़ी कप्तान धोनी रहे। उन्हें सीजन के 15 करोड़ रुपए मिलेंगे। धोनी ने 13 बॉल पर दो चौके और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए। प्लेइंग इलेवन में तेज गेंदबाज दीपक चाहर (80 लाख रु.) सबसे सस्ते खिलाड़ी रहे। उन्होंने 4 ओवर में 28 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया। हैदराबाद में कप्तान वॉर्नर सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। टीम उन्हें एक सीजन के 12.5 करोड़ रुपए देगी। वॉर्नर ने 13 बॉल पर 9 रन बनाए। तेज गेंदबाज टी नटराजन 40 लाख रु. कीमत के साथ टीम में सबसे सस्ते खिलाड़ी रहे। उन्होंने 4 ओवर में 41 रन देकर दो विकेट लिए।

दोनों टीम में शामिल विदेशी खिलाड़ी चेन्नई की प्लेइंग इलेवन में शेन वॉटसन, फाफ डु प्लेसिस, सैम करन और ड्वेन ब्रावो जैसे विदेशी प्लेयर्स को मौका मिला।

वहीं, हैदराबाद टीम में कप्तान डेविड वॉर्नर, जॉनी बेयरस्टो, केन विलियम्सन और राशिद खान शामिल रहे। चेन्नई ने 3 और हैदराबाद ने 2 बार खिताब जीता

रॉयल्स पिछले 4 मैच में कैपिटल्स को हरा नहीं सकी

INDIAN PREMIER LEAGUE

शारजाह में खेले गए पहले मैच में दिल्ली ने राजस्थान को 46 रन से हराया था। इससे पहले भी रॉयल्स टीम दिल्ली के खिलाफ 3 मैच हार चुकी है।

मुंबई एजेंसी।

दिल्ली ने इस सीजन में दुबई के मैदान पर अब तक 3 मैच खेले और सभी जीते हैं। जबकि राजस्थान ने यहां दो मैच खेले, जिनमें से एक जीता और एक में हार मिली है। सीजन में दोनों टीमें दूसरी बार भिड़ रहीं हैं।

शारजाह में सीजन का सबसे छोटा टारगेट देकर जीती थी दिल्ली

पिछले मैच में दिल्ली ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान को 185 रन का टारगेट दिया था। यह शारजाह में सीजन का सबसे छोटा टारगेट था, जिसे राजस्थान हासिल नहीं कर पाई और 19.4 ओवर में 138 रन पर ऑल आउट हुई थी।

बटलर, सैमसन पर रहेगी नजर

राजस्थान रॉयल्स की बैटिंग टॉप-4 बल्लेबाजों पर निर्भर है। कप्तान स्टीव स्मिथ, जोस बटलर, बेन स्टोक्स और संजू सैमसन पर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। वहीं गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के साथ बाकी गेंदबाजों को भी विकेट निकालने होंगे। दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में स्टोक्स नहीं खेले थे। हालांकि, बाकी तीन प्लेयर भी असफल ही रहे थे।

दिल्ली की टीम शानदार फॉर्म में

दिल्ली के बल्लेबाज और गेंदबाज शानदार फॉर्म में हैं। ओपनर पृथ्वी शॉ और शिखर धवन टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर, मार्कस स्टोइनिस भी आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। वहीं, गेंदबाजी में कगिसो रबाडा, एनरिच नोर्तजे, रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल भी शानदार फॉर्म में हैं। विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं।

पिच और मौसम रिपोर्ट

दुबई में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 23 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस आईपीएल से पहले यहां हुए पिछले 61 टी-20 में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम की जीत का

सक्सेस रेट 55.7 प्रतिशत रहा है।

इस मैदान पर हुए कुल टी-20= 61

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती= 34

पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती= 26 पहली पारी में टीम का औसत स्कोर= 144 दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर= 122 पॉइंट टेबल में दिल्ली दूसरे और राजस्थान छठवें नंबर पर

दिल्ली और राजस्थान अब तक 7-7 मैच खेल चुकी हैं। इनमें से दिल्ली के 5 मैच जीत के साथ 10 पॉइंट है और वह टेबल में दूसरे नंबर पर काबिज है। वहीं, राजस्थान सिर्फ 3 ही मैच जीत सकी। वह 6 पॉइंट के साथ **छठवें नंबर पर काबिज है।**

दोनों टीमों के सबसे महंगे खिलाड़ी

दिल्ली में रविचंद्रन अश्विन 7.60 करोड़ और कप्तान श्रेयस अय्यर 7 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। वहीं, राजस्थान में कप्तान स्मिथ 12.50 करोड़ और संजू सैमसन 8 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं। यह मैच जीतने के साथ ही दिल्ली टॉप पर पहुंच जाएगी।

दिल्ली अकेली टीम, जो अब तक फाइनल नहीं खेली

दिल्ली अकेली ऐसी टीम है, जो अब तक फाइनल नहीं खेल सकी। हालांकि, दिल्ली टूर्नामेंट के शुरुआती दो सीजन (2008, 2009) में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। वहीं, राजस्थान ने आईपीएल (2008) का पहला सीजन अपने नाम किया था।

आईपीएल में राजस्थान का सक्सेस रेट दिल्ली से ज्यादा

आईपीएल में राजस्थान का सक्सेस रेट दिल्ली से ज्यादा है। दिल्ली ने अब तक कुल 184 मैच खेले हैं। 83 मैच में उसे जीत मिली और 100 में उसे हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली का लीग में सक्सेस रेट 44.78त्न है। वहीं, राजस्थान ने अब तक कुल 154 मैच खेले हैं। 78 में उसे जीत मिली और 74 में उसे हार का सामना करना पड़ा। राजस्थान का लीग में सक्सेस रेट 50.98 प्रतिशत है।

हैदराबाद के खिलाफ मैच में धोनी से टिप्स लेते नजर आए प्रियम

धर्मशाला एजेंसी। आईपीएल के 13वें सीजन में युवा भारतीय खिलाड़ी जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं। मैच के दौरान या मैच के बाद जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे अपने सीनियर खिलाड़ियों से कुछ नया सीखने का मौका नहीं छोड़ते। ऐसा ही कुछ चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद देखने को मिला। मैच के बाद हैदराबाद टीम के प्रियम गर्ग, अभिषेक शर्मा, शहबाज नदीम, अब्दुल समद और संदीप शर्मा जैसे खिलाड़ी टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और आईपीएल में चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से टिप्स लेते नजर आए। धोनी ने काफी देर तक इन युवा खिलाड़ियों से बात की।

राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल ने भी लिए थे टिप्स शारजाह में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई के बीच मैच से पहले टॉस के बाद यशस्वी जायसवाल ने दोनों हाथ जोड़कर नमस्ते किया था। माही ने भी उनसे कुछ देर बातचीत की। यशस्वी के सीनियर के प्रति इस सम्मान की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। फैन्स ने यशस्वी के इस व्यवहार की खुले दिल से तारीफ की थी।

धोनी को फॉलो करते हैं प्रियम भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे प्रियम गर्ग ने कहा था कि वे धोनी को फॉलो करते हैं। धोनी के ही नक्शेकदम पर चलते हैं। प्रियम ने कहा कि मैच में संयम रखना धोनी से ही सीखा है। पूर्व भारतीय कप्तान किसी भी समय मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की कप्तानी की थी प्रियम ने 2018 में गोवा के खिलाफ रणजी मैच से डेब्यू किया था। इस मुकाबले में उन्होंने शतक लगाया था। प्रियम की कप्तानी में इसी साल भारतीय टीम अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी।

लक्ष्य डेनमार्क ओपन के दूसरे दौर में

दर्द से उबरे गेल उतर सकते हैं आरसीबी के खिलाफ

दुबई एजेंसी।

किंग्स इलेवन पंजाब के कैरेबियाई बल्लेबाज क्रिस गेल पेट दर्द (फूड पॉइजनिंग) से उबर गये हैं और गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ उन्हें आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपना पहला मैच खेलने का मौका मिल सकता है। टीम के मुख्य कोच अनिल कुंबले कहा कहा था कि गेल 'फूड पॉयजनिंग' के कारण सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाये थे। यह 41 वर्षीय विस्फोटक बल्लेबाज शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ भी नहीं खेल पाया था।

प्लेऑफ में नहीं पहुंचेगी चेन्नई, सुपरकिंग्स के फ्लॉप शो पर अजीत आगरकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज अजीत आगरकर ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स को उसके मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए आईपीएल 13 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया है। तीन बार की विजेता चेन्नई की टीम इस सत्र में लगातार निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है और उसके सात मैचों में दो जीत और पांच हार के साथ चार अंक है और वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। आगरकर ने एक शो में कहा कि यह बहुत करीबी टूर्नामेंट है और इसमें कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहे हैं, लेकिन मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह बनाने की प्रबल दावेदार हैं। फॉर्म और निजी राय को देखते हुए मैं कोलकाता नाइट राइडर्स को तीसरी टीम के रूप में देखता हूं। चौथी टीम राजस्थान रॉयल्स या सनराइजर्स हैदराबाद हो सकती है। टूर्नामेंट की शुरुआत में मैंने चेन्नई को प्लेऑफ के लिए चुना था, लेकिन मौजूदा परिस्थिति को देखते हुए ये टीमें चेन्नई से बेहतर हैं।

कंगना रनौत के खिलाफ कर्नाटक पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कंगना रनौत बॉलीवुड की उन अदाकाराओं में से एक हैं जो कि अपने विवादित बयानों की वजह से अक्सर मुश्किलों में घिर जाती हैं। बॉलीवुड स्टार सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से ही कंगना रनौत लाइमलाइट में बनी हुई हैं। कुछ समय पहले ही कंगना रनौत ने महाराष्ट्र सरकार से पंगा ले लिया था। जिसके बाद कंगना रनौत शिवसेना के निशाने पर आ गई थीं। इसी बीच कंगना रनौत एक और मुसीबत में फंस गई हैं। कर्नाटक पुलिस ने कुछ समय पहले ही कंगना रनौत के खिलाफ एक केस दर्ज किया है। दरअसल कुछ समय पहले ही कंगना रनौत ने कृषि बिल को लेकर सोशल मीडिया पर कमेंट किया था। जिसके बाद कर्नाटक के तुमकुर जिले के किसाने कंगना रनौत के खिलाफ सड़कों पर उतर आए थे। किसान बीते कुछ समय से कंगना रनौत पर कार्रवाही करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में कर्नाटक पुलिस ने बिने देरी किए कंगना रनौत के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आईएनएस की एक रिपोर्ट की मानें तो एक महीने पहले कर्नाटक के एक वकील एल रमेश नाइक ने कंगना रनौत के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। जिसके बाद बीते हफ्ते ही कर्नाटक कोर्ट ने कंगना रनौत को हाजिरी लगाने के आदेश दिए थे। एल रमेश नाइक का मानना है, %कंगना रनौत ने किसान बिल पर बयान देकर गलती की है। किसान अन्याय के खिलाफ प्रोट्स्ट कर रहे हैं। इसका मतलब ये नहीं कि गरीब किसान की तुलना किसी आतंकवादी से कर दी जाए। किसानों की बेज्जती करने की वजह से कंगना रनौत के खिलाफ आईपीसी धारा 44, 108, 153, 153(), 504 के तहत ये केस दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि किसान बिल पर हो रहे विरोध के बीत कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री मोदी की एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, प्रधानमंत्री जी कोई सो रहा हो उसे जगाया जा सकता है, जिसे गलतफहमी हो उसे समझाया जा सकता है मगर जो सोने की ऐक्टिंग करे, नासमझ बनने की ऐक्टिंग करे... उसे आपके समझाने से क्या फर्क पड़ेगा? ये वही आतंकी हैं... ष्ट से एक भी इंसान की नागरिकता नहीं गयी मगर इन्होंने खून की नदियां बहा दी।

इम्यूनिटी टास्क के दौरान अकेले ही 4 लड़कों से भिड़ गईं जैस्मिन भसीन

बिग बॉस 14 के ग्यारवें दिन घरवालों को नया इम्यूनिटी टास्क मिला है। इस टास्क के लिए घर के गार्डन एरिया को एक फार्म में तब्दील किया गया है। टास्क के लिए बिग बॉस ने घरवालों को दो टीमों में बांट दिया है। दोनों टीमों के सदस्यों को किसान बनकर अपने-अपने खेत को सुंदर बनाना है। वहीं तूफानी सीनियर्स (हिना खान, सिद्धार्थ शुक्ला और गौहर खान) को गांव के दुकानदारों की भूमिका निभाने के लिए कहा गया है। बीती रात इस टास्क के दौरान जैस्मिन भसीन ने काफी शानदार प्रदर्शन किया और टास्क के बीचों बीच ही उन्होंने एक साथ चार लड़कों को पटखनी दे डाली थी। दरअसल किसानों की भूमिका निभाने वाले कंटेस्टेंट्स को अपने-अपने एरिया की रखवाली भी करनी है। ऐसे में विरोधी टीम के चार लड़कों ने जैस्मिन की प्रॉपर्टी लेनी चाही थी।

आदित्य नारायण ने बयां दिया दर्द, कहा- सिर्फ 18 हजार रुपये बचे हैं और बाइक बेचकर काम चलाउंगा

बॉलीवुड सिंगर आदित्य नारायण इन दिनों अपनी शादी को लेकर खबरों में हैं। हाल ही में सिंगर ने कंफर्म किया है कि वो श्वेता अग्रवाल के साथ रिलेशनशिप में हैं। इससे पहले नेहा- आदित्य की शादी को लेकर काफी चर्चा हुई थी, लेकिन अब एंटरटेनमेंट होस्ट आदित्य नारायण अपनी आर्थिक स्थिति की वजह से खबरों में हैं। जी हां, आपको सुनने में भले ही अजीब लग रहा हो, लेकिन यह बात सच है। दरअसल, कोरोना वायरस की वजह से हर किसी के बजट पर असर पड़ा है। इसकी वजह से फिल्म इंडस्ट्री काफी दिनों से बंद है और इससे जुड़े लोगों पर आर्थिक संकट आ गया है। कई लोगों को नौकरियां चली गईं तो कई लोगों के बिजनेस ठप पड़े हैं। ऐसे में आदित्य नारायण भी अभी घर पर ही हैं और उनका काम भी रुका हुआ है। इस वजह से उनकी कमाई के सोर्स भी कम हो गए हैं। इस वजह से उनकी सेविंग पर असर पड़ रहा है और वो लगातार कम होती जा रही है। इंडियन आइडल होस्ट आदित्य ने बताया कि उसके बाद बैंक अकाउंट में सिर्फ 18 हजार रुपये ही बचे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर ऐसा ही रहेगा तो उन्हें सर्वाइव करने के लिए अपनी बाइक बेचनी पड़ेगी। बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में आदित्य ने कहा, अगर सरकार लॉकडाउन आगे बढ़ाती तो लोग भूख से मरने लग जाते। मेरी पूरी बचत खत्म हो गई है। जितने भी पैसे मैंने म्यूअल फंड्स में लगाए थे, मुझे वह सब वापस लेना पड़े। उन्होंने कहा, किसी ने योजना नहीं बनाई थी कि मैं एक साल तक काम नहीं करूंगा। कोई भी इस तरह की योजना नहीं बनाता है। जब तक आप कुछ अरबपतियों की तरह नहीं हैं। तो कोई चारा नहीं है। जैसे मेरे खाते में 18,000 रुपये बाकी हैं। इसलिए अगर मैं अक्टूबर तक काम करना शुरू नहीं करता हूं, तो मेरे पास पैसे नहीं होंगे। मुझे अपनी बाइक या कुछ और बेचना होगा। यह वास्तव में मुश्किल है। आखिरकार, आपको कुछ कड़े कदम उठाने पड़ते हैं और कई लोग इस गलत भी बता सकते हैं।

नागिन 5 स्टार शरद मल्होत्रा ने दी कोरोना वायरस को मात

टीवी की दुनिया में कोरोना वायरस का कहर बढ़ता ही चला जा रहा है। बीते कुछ समय में कई टीवी सितारे कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं। हालांकि इन सभी सितारों ने कोरोना वायरस को हरा दिया और जल्द ही रिकवर भी हो गए। इस लिस्ट में अब टीवी एक्टर शरद मल्होत्रा का नाम भी शामिल हो चुका है। नागिन 5 स्टार शरद मल्होत्रा ने कोरोना वायरस को मात दे दी है। कुछ समय पहले खुद शरद मल्होत्रा ने इस बात का ऐलान कर दिया है। शरद मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके इस बात का खुलासा किया है कि उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। इस बारे में बात करते हुए शरद मल्होत्रा ने लिखा, मुझे निगेटिव शब्द सुनना कभी इतना अच्छा नहीं लगा। मैं अपने परिवार को धन्यवाद कहना चाहता हूं। खासतौर से अपनी पत्नी रिप्सी को मैं शुक्रिया कहना चाहता हूं। इस दौरान उसने मुझे बहुत प्यार और सपोर्ट किया है। मैं अपने दोस्त, मेरे डॉक्टर, नागिन 5 की टीम और बीएमसी को भी धन्यवाद कहना चाहता हूं। इन लोगों ने मेरी बहुत मदद की है। फैंस ने भी मेरे लिए बहुत दुआएं की हैं। मैं कोरोना वायरस का भी शुक्रगुजार हूं। अगर मैं आइसोलेशन में न रहता तो मैं खुद को इतने अच्छे से नहीं पहचान पाता। अब जब शरद मल्होत्रा ने कोरोना वायरस को मात दे दी है तो उनकी नागिन 5 में वापसी की उम्मीद काफी बढ़ गई है। फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि जल्द ही शरद मल्होत्रा नागिन 5 में लौट आएंगे। हालाकिं अब तक शरद मल्होत्रा ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि वह नागिन 5 की शूटिंग कब से शुरू कर रहे हैं। नागिन 5 में इन दिनों टीवी एक्टर धीरज धूपर वीर का किरदार निभा रहे हैं। शरद मल्होत्रा को कोरोना होने के बाद मेकर्स ने कुछ समय के लिए शरद मल्होत्रा को रिप्लेस कर दिया था। अब जब तक शरद मल्होत्रा पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते तब तक धीरज धूपर ही उनका किरदार निभाने वाले हैं।

नोरा फतेही और गुरु रंधावा ने की नाच मेरी रानी गाने पर डांस रिहर्सल

अपने सिजलिंग डांस मूव्स से प्रभावित करने वाली नोरा फतेही ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया हैद्य इस रिहर्सल वीडियो से गाने की हुकलाइन का भी पता चलता हैद्य नोरा फतेही गायक गुरु रंधावा के नए साथ नए म्यूजिक वीडियो नाच मेरी रानी में अपनी डांसिंग स्किल्स दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नोरा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया हैद्य इसमें रिहर्सल वीडियो के साथ गाने की हुकलाइन का पता चलता है। इसमें उन्हें सिजलिंग डांस मूव्स करते देखा जा सकता है।

अपने प्रशंसकों के लिए एक वीडियो पोस्ट करते हुए गुरु रंधावा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, वाह! यह पहली बार है, जब रिहर्सल वीडियो के साथ मेरे गाने की हुकलाइन लीक हो गई है। मुझे अभी-अभी शूट के बीच इस बात का पता चला है। अब मैं भी इसकी अनुमति देता है। वायरल करो और डांस करो और nachmerirani और tseries.official को टैग करोद्य पॉवर दिखाने के लिए और रिलीज से पहले इसे बड़ा बनाने के लिए। मैं अभी भी रिलीज के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित हैं। norafatehi देखते हैं कि फैंस nachmerirani पर कैसे डांस करते है। पंजाबी गायक गुरु रंधावा ने इंस्टाग्राम पर 13 अक्टूबर, 2020 मंगलवार को अपने आधिकारिक अकाउंट के माध्यम से अभिनेत्री नोरा फतेही के साथ खुद की एक तस्वीर शेयर की थी। इसमें गुरु रंधावा ने गुलाबी रंग की टी-शर्ट पहनी है सफेद जींस पहने नजर आ रहे है। इसके अलावा एक राउंड ऑफ लुक पूरा करने के लिए उन्होंने आउट-शेडेड पिंक जैकेट और आउटफिट के साथ मैच करने के लिए सफेद जूते पहने हैं। दूसरी ओर, नोरा फतेही ने बॉडी-हगिंग व्हाइट ड्रेस में इक्का पैरिसियन डिज़ाइनर हेरी लेगर की ड्रेस पहनी है। उन्होंने कम मेकअप किया है और एक्सेसरीज़ पहन रखे है। गुरु रंधावा बॉलीवुड की कई फिल्मों में गाना गा चुके हैद्य जो कि बहुत वायरल भी हुए हैद्य उनकी अपनी एक फैन फॉलोइंग है।

IAS की तैयारी करने वालों की मदद करेंगे सोनू सूद

पिछले 7 महीनों यानी लॉकडाउन में जिस स्टार ने अपने अच्छे कामों से लोगों का दिल जीता है। वो एकमात्र सोनू सूद हैं। सोनू सूद ने हजारों मजदूरों को घर भेजने में मदद की, फिर उनके लिए रोजगार की व्यवस्था की और अब सोनू सूद ने एक और अच्छी मुहिम शुरू की है जिसकी हर कोई तारीफ कर रहा है। सोनू सूद ने अगला कदम यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्रों की मदद के लिए उठाया है। मंगलवार 13 अक्टूबर को उनकी मां की पुण्यतिथि थी। इस दिन को यादगार बनाने और अपनी मां को हमेशा यादों में रखने के लिए सोनू सूद ने सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए नई मुहिम शुरू की है। सोनू ने ऐसे छात्रों के लिए अपनी मां के नाम पर (प्रो. सरोज सूद) स्कॉलरशिप शुरू की है। इसकी जानकारी सोनू सूद ने ट्विटर के जरिए दी।

ऋचा चड्ढा से पायल घोष ने मांगी माफी, फुकरे ऐक्ट्रेस ने मानहानि का केस लिया वापस

अनुराग कश्यप पर रेप का आरोप लगाने वाली ऐक्ट्रेस पायल घोष ने ऋचा चड्ढा से माफी मांग ली है। दरअसल पायल घोष ने ऐक्ट्रेस ऋचा चड्ढा के बारे में मीडिया में आपत्तिजनक बयान दिए थे, जिसके बाद ऋचा ने पायल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज करा दिया था। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को पायल और ऋचा को 2 दिनों का वक्त दिया था ताकि वे आपस में मामला सुलझाने की शर्तें तय कर लें।

पायल घोष के माफी मांगने के बाद ऋचा ने केस लिया वापस

पायल घोष के माफी मांगने के बाद ऋचा ने अपना केस वापस ले लिया है। गौरतलब है कि पायल ने कश्यप के खिलाफ आरोप लगाते हुए ऋचा और दो अन्य अभिनेत्रियों का नाम विवाद में घसीटा था। पायल ने यह दावा किया था कि कुछ अन्य महिला कलाकारों के साथ भी उनके (कश्यप) अंतरंग संबंध रहे हैं। पायल ने अनुराग कश्यर के साथ इस तरह के सम्बंध को लेकर ऋचा चड्ढा का भी नाम लिया। इसके बाद ऋचा चड्ढा ने पायल की इन बातों पर अपनी बात रखते हुए एक प्रेस रिलीज़ जारी किया था

ऋचा चड्ढा ने की थी मुआवजे की मांग ऋचा चड्ढा ने घोष के खिलाफ झूठा, निराधार, अभद्र और अपमानजनक बयान देने के लिए मुकदमा दायर किया था और क्षतिपूर्ति के रूप में 1.1 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की थी। ऋचा के वकील ने जारी किया था प्रेस रिलीज ऋचा के वकील की ओर से प्रेस रिलीज़ जारी किया गया था, जिसे ऐक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। इस स्टेटमेंट में लिखा गया, मेरी क्लाइंट मिस ऋचा चड्ढा का नाम अनावश्यक और गलत तरीके से इस पूरे विवाद में किसी थर्ड पार्टी की तरफ से बेवजह घसीटा जा रहा है । हालांकि मेरी क्लाइंट का मानना है कि अगर किसी के साथ सच में गलत हुआ है तो उस महिला को किसी भी तरह से न्याय मिलना चाहिए। वर्कप्लेस पर महिलाओं का सम्मान और उन्हें बराबरी देने के लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं।

ऋचा चड्ढा ने पायल पर लगाया था नाम खराब करने का आरोप ऋचा चड्ढा ने पायल के दावों पर केस किया था और उनके दावों को झूठ करार दिया था।

राब्ता के डायरेक्टर दिनेश विजान के घर और ऑफिस पर ED का छापा

सुशांत सिंह राजपूत केस में प्रवर्तन निदेशालय मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल से जांच कर रहा है। ईडी इस सिलसिले में कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुधवार को श्रष्ठ ने डायरेक्टर दिनेश विजान के घर और ऑफिस में छापा मारा है। सुशांत ने दिनेश की फिल्म राब्ता में काम किया था। सवालों के घेरे में था फिल्म का लेन-देन सुशांत सिंह राजपूत की मौत की गुत्थी अब तक नहीं खुल पाई है। इस केस में सीबीआई जांच कर रही है। NCB कई गिरफ्तारियां कर चुका है। इस बीच खबर आ रही है कि ईडी ने राब्ता फिल्म के डायरेक्टर दिनेश विजान के घर और ऑफिस में सर्च ऑपरेशन चलाया है। इस फिल्म के लेन-देन पर सवाल उठाए जाए रहे थे। बताया जा रहा है कि अधिकारियों ने दिनेश से कुछ दस्तावेज लिए हैं। रिपोर्ट्स हैं कि राब्ता के अलावा सुशांत और दिनेश के बीच एक और फिल्म को लेकर बात हुई थी। वो फिल्म बन नहीं सकी। पेमेंट्स को लेकर ईडी सितंबर में दिनेश से 8 घंटे पूछताछ कर चुका है। परिवार को सुशांत के पैसों के हेरफेर का था शक

सुशांत सिंह राजपूत के साथ इस फिल्म में कीर्ति सेनन भी थीं। सुशांत के परिवारवालों को उनके अकाउंट में गड़बड़ी का शक था। इसके बाद ईडी भी इस जांच में शामिल हो गया। अब तक सुशांत के अकाउंट से किसी बड़े ट्रांजैक्शन का हेरफेर जांच एजेंसी को नहीं मिला है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।